INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

Sweety
BY
MR
GROUP
Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-2 | अंक-707 | मथुरा, बुधवार, 5 फरवरी 2025 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

सदर बाजार पुलिस के हत्थे चढ़ा जालसाज

शैलजाकांत मिश्र का पीए बन अधिकारियों को करता था फोन

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिला विद्यालय निरीक्षक रवीन्द्र सिंह को अपनी शिक्षिका पत्नी का स्थानान्तरण करने के लिए ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजा कांत मिश्र का पीए बन कर फोन करने वाले जालसाज को थाना सदर बाजार पुलिस ने आज गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

डीआईजी/एसएसपी शैलेश पांडेय ने बताया कि चार फरवरी को उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकान्त मिश्र के निजी सचिव बसंत लाल शर्मा ने थाना सदर बाजार में इस संबंध में लिखित तहरीर दी थी।

पुलिस की गिरफ्त में जालसाज युवक।

श्री शर्मा ने कहा था कि एक अज्ञात युवक ने दो मोबाइल फोन नंबर से अपने आपको ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष का निजी सचिव बताकर जिला विद्यालय निरीक्षक फोन करके स्वयं की पत्नी (शिक्षिका) का स्थानान्तरण करने को धमकी दी थी। थाना सदर बाजार के प्रभारी निरीक्षक विदेश कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कर सर्विलांस की मदद से धमकी देने वाला श्याम नरेश शर्मा पुत्र स्व. अनन्त कुमार शर्मा निवासी 09 राजीव भवन के सामने वाली गली 32 सिविल लाइन्स थाना सदर बाजार को ईगल ग्राउण्ड से गिरफ्तार कर लिया। बताया जाता है इस जालसाज ने नगर आयुक्त शशांक चौधरी को भी किसी काम के लिए फोन किया था।

डीआईओएस को पत्नी का स्थानांतरण कराने को किया फोन

निजी सचिव की रिपोर्ट पर पुलिस ने कार्रवाई की

डीपीआरओ कार्यालय में पसरा रहा सन्नाटा

राजीव भवन स्थित डीपीआरओ कार्यालय में पसरा सन्नाटा।

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कल जिला पंचायत राज अधिकारी किरन चौधरी को आगरा से आई विजिलेंस टीम ने ग्राम झुड़ावई के ग्राम प्रधान की शिकायत पर उनके चालक सहित गिरफ्तार किया था। आज दूसरे दिन जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय के कर्मचारी खौफ के साये में रहे। वहीं आज उनके कार्यालय में न तो कोई ग्राम प्रधान ही अपने कार्यों के लिए उपस्थित रहा और न ही कोई शिकायतकर्ता। इसके अलावा अन्य विभिन्न विभागों के अधिकारी इस प्रकरण को लेकर काफी सतर्क दिखाई दे रहे हैं। अधिकारी और कर्मचारियों में चर्चा है कि इतनी तेज अधिकारी कैसे भ्रष्टाचार के आरोप में फंस गई। ऐसा कार्य उनको नहीं करना चाहिए। बुधवार को डीपीआरओ कार्यालय में सन्नाटा पसरा रहा। कोई कर्मचारी या लिपिक इस प्रकरण में बोलने को तैयार नहीं हुआ। सिर्फ यह कहते रहे कि डीपीआरओ व उनका चालक से उनके चालक से गिरफ्तारी के बाद कोई बात नहीं हुई है। यह तो वे ही बताएंगी कि कैसे फंसी। वहीं सोशल मीडिया पर काफी चर्चा इस प्रकरण को लेकर हो रही है। लोग कमेंट कर रहे हैं कि ग्राम पंचायतों की निष्पक्ष जांच हो जाए तो काफी बड़ा घोटाला खुलकर सामने आएगा। आंगनबाड़ी केन्द्र निर्माण, गौशाला निर्माण, गौशालाओं के रख रखाव, सीसी रोड बनाने, स्वच्छ भारत अभियान, पंचायत घर निर्माण और उनको मॉडल बनाने, मनरेगा के कार्य, स्ट्रीट लाइट लगाने आदि का प्रकरण में करोड़ों का घोटाला सामने आएगा। यही नहीं पहले राजनीतिक दबाव में प्रधानों को निलंबन और फिर बर्खास्त करना, उसके बाद बाहली के लिए प्रधानों से सुविधा शुल्क लेने के आरोप लगते रहे हैं। गत वर्ष आंगनबाड़ी केन्द्रों पर उपलब्ध कराई गई बच्चों के खेल खिलौनों की किट में भ्रष्टाचार का प्रकरण किसी से छिपा नहीं है। यह प्रकरण मीडिया में काफी चर्चा में रहा था। अधिकारियों की जांच में अनियमितताएं सामने आई थी। उसके बाद भी राजनैतिक दबाव में इनके विरूद्ध कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिससे इनके हौंसले बुलंद होते चले गए। इनको सत्ता पक्ष के किस बड़े नेता का हाथ रहा उसकी भी जांच होनी चाहिए। अब जिलाधिकारी व सीडीओ को इंतजार है कि विजिलेंस टीम की कार्यवाही की रिपोर्ट उनके कार्यालय को मिले तब डीपीआरओ का चार्ज किसी अधिकारी को दिया जाए। या फिर शासन से कोई दिशा निर्देश मिले।

लिपिकों के सामने समस्या, कौन आगे बढ़ाए डीएम और सीडीओ को फाइलें

भ्रष्टाचार के कई योजनाओं में लगते रहे हैं आरोप, कभी नहीं हुई कार्रवाई

अभी नई नियुक्ति स्थानीय व शासन स्तर से नहीं हुई है

भ्रष्टाचार के दल–दल में फंसे अधिकारी दहशत में

यूनिक समय, मथुरा। जिला पंचायत राज अधिकारी किरन चौधरी की भ्रष्टाचार के आरोप में हुई गिरफ्तारी के बाद अब मथुरा में नियुक्त कई अधिकारी बैचेन दिखाई दे रहे हैं। उनके मन में कहीं न कहीं डर पैदा हो रहा है कि कोई उनको भी न फंसा दे। यह बात किसी से भी छिपी नहीं है कि सरकारी कार्यालयों में इस समय भ्रष्टाचार इतना कदर हावी हो गया कि बिना पैसे के एक भी फाइल आगे नहीं बढ़ती है। हालांकि सरकार का दावा है कि उनके शासनकाल में भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है, लेकिन जनता से पूछो तो वह सरकारी दावे को झुठलाती है। जनता भ्रष्टाचार से इतनी परेशानी हो चुकी है कि यदि कोई चुपचाप उसके बीच आम आदमी की तरह बात करे तो सरकारी सच्चाई सामने आ जाएगी। अधिकारी भी सुनकर हैरान रह जाएंगे कि वास्तव में बिना लेनदेन के कोई काम नहीं हो रहा है। विजिलेंस की एंटी करप्शन टीम के पास कोई शिकायत पहुंचती है तो वह योजना बनाकर छापे मारी करती है। अब तक आगरा मंडल में कई ऐसे मामले पकड़ में आ चुके हैं। फिर भी भ्रष्टाचार के दल–दल में फंसे अधिकारी और कर्मचारी कुछ दिन तो ईमानदार बनने की कोशिश करते हैं, किंतु समय बीतने के बाद फिर से पुराने ढर्रे पर चल पड़ते है।

भयभीत..किरण चौधरी की तरह कोई हमें न फंसा दे

शातिर चोरों ने बंद मकान पर किए हाथ साफ

संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। थाना महावन क्षेत्र के गांव हब्बीपुर में एक परिवार के शादी समारोह में जाने का फायदा उठाकर चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोर घर के ताले तोड़कर जेवरात और नकदी समेत लाखों की चोरी कर फरार हो गए। गांव हब्बीपुर निवासी लाखन सिंह अपने परिवार के साथ बलदेव कस्बे में एक शादी समारोह में गए हुए थे। सुबह जब वे घर लौटे तो देखा कि मकान का ताला टूटा हुआ था। घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था। लाखन सिंह की पत्नी आरती ने जब अलमारी की जांच की तो पाया कि उसका ताला भी टूटा हुआ था और अंदर रखे जेवरात गायब थे। पीड़ित लाखन सिंह के अनुसार, चोरों ने अलमारी में रखे दो लाख रुपये की नकदी के अलावा एक सोने की जंजीर, एक सोने की अंगूठी और चार सोने की चूड़ियां चुरा लीं। घटना की सूचना उन्होंने तत्काल 112 पर दी। खप्परपुर पुलिस चौकी के प्रभारी संजीव कुमार ने बताया कि अभी तक चोरी का कोई औपचारिक प्रार्थना पत्र नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि शिकायत मिलते ही मामले में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बलदेव के शादी समारोह में गया था परिवार

होमस्टे | पर्यटकों का नया ठिकाना

युवकों के लिए कमीशन बन गया रोजगार

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। आजकल पर्यटकों के रहने के लिए होटलों के साथ–साथ होमस्टे भी एक लोकप्रिय विकल्प बनते जा रहे हैं। होमस्टे का मतलब है किसी स्थानीय परिवार के घर में रहकर उस जगह की संस्कृति और परंपराओं का अनुभव करना। यह एक व्यक्तिगत और आरामदायक अनुभव होता है, जो होटलों में अक्सर नहीं मिल पाता। मथुरा हो या वृंदावन। गोवर्धन हो या बरसाना। गोकुल हो या महावन। बरसाना हो या नंदगांव। हर तीर्थ स्थल पर होम स्टे जरूर दिखाई दे जाएंगे। यहां होटल और गेस्ट हाउस से कम कीमत (किराए) पर रूम या फिर बड़े हाल मिल जाते हैं। मथुरा में होम स्टे जंक्शन रेलवे स्टेशन के निकट

अधिक हैं। धौली प्याऊ और .... हैं। जंक्शन पर ट्रेन से रात के दौरान उतरने वाले यात्रियों को ई रिक्शा वाले या ऑटो वाले लपक लेते हैं। वह किसी न किसी के ठहरने की बात करते हैं। ऐसे कम कीमत में रूम उपलब्ध कराने की बात कहकर अपने साथ ले जाते हैं और पहले से सेटिंग की हुई जगह पर उतार देते हैं। यहां उनको पहले से निर्धारित कमीशन भी मिलता है। इसी तरह से वृंदावन के तिराहे और चौराहों पर कुछ युवक अपने हाथों में रूम-रूम की तख्तियां लिए खड़े मिल जाएंगे। इसका मतलब भी कुछ यही है कि वह गलियों में खुले होम स्टे छोटे–छोटे जगहों में बने कमरों के (गेस्ट हाउस) तक ले जाते हैं। इसमें तीर्थयात्री को एक फायदा यह होता है कि उसे रूम के लिए कोई बड़ी रकम नहीं देनी होती है और उसकी रात आराम से कट जाती है।

वृंदावन में कई आश्रमों में भी कमरे किराए पर उठाने का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। यदि किसी बड़े होटल में जाएगा तो दो से तीन हजार रुपये 24 घंटे के चुकाने होंगे। कई स्टे होम में खाने की व्यवस्था होती है तो कई होम स्टे संचालक दूसरे रेस्टोरेंट से खाना मंगवाकर देते हैं। कोशिश यही करते हैं कि एक बार जो व्यक्ति आए, वह उसके होम स्टे के वातावरण को देखकर दोबारा आए। होम स्टे बनाने के पीछे लोगों की मंशा यह है कि वह अपने दो कमरों को किसी परिवार को किराए पर देते हैं तो अधिकतम किराया दस हजार रुपये मिलेगा, लेकिन बाहर से आने वाले तीर्थयात्री और बिजनेसमैन से एक रात्रि के दो कमरे का किराया करीब एक हजार रुपये मिलेगा। इस तरह से उसके पास एक माह में तीस हजार रुपये आएंगे। बाइक सवार रघुनाथ का कहना है कि होम स्टे से उनके कई साथियों को रोजगार मिला हुआ है।

वह सायं से लेकर रात तक एक हजार रुपये कमीशन बतौर कमा लेता है। एक अकेले रघुनाथ की बात नहीं है, बल्कि और युवकों की बात है।

पंचायतों के रिक्त पदों के लिए चुनाव 19 फरवरी को

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) चंद्र प्रकाश सिंह ने अवगत कराया है कि राज्य निर्वाचन आयोग उत्तर प्रदेश लखनऊ की अधिसूचना के क्रम में ग्राम पंचायतों के प्रधानों तथा सदस्यों एवं क्षेत्र पंचायतों तथा जिला पंचायतों के सदस्यों के रिक्त स्थानों / पदों, जो माननीय न्यायालय के स्थगनादेश से बाधित न हो, पर उप निर्वाचन 19 फरवरी को होगा। इसके लिए नामांकन आठ फरवरी को जमा किए जाएंगे। नाम निर्देशन पत्र 8 फरवरी को सुबह 10:00 बजे से सायं 4 बजे तक जमा किए जाएंगे। नाम निर्देशन पत्रों की जांच 10 फरवरी को सुबह 10 बजे से, उम्मीदवारी वापस 11 फरवरी को सुबह 10 से अपराह्न 3 बजे तक, उसी दिन अपराह्न तीन बजे से चुनाव चिन्हों का आवंटन प्रत्याशियों को किया जाएगा। मतदान 19 फरवरी को प्रातः 07:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक होगा। मतगणना 21 फरवरी प्रातः 08:00 बजे से कार्य की समाप्ति तक होगी।

आठ फरवरी को आवेदन जमा कर सकेंगे प्रत्याशी

यूपी बोर्ड परीक्षा : 5065 शिक्षक-शिक्षिका बनेंगे कक्ष निरीक्षक

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। 24 फरवरी से प्रारंभ हो रही यूपी बोर्ड की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षाओं को निर्विघ्न सम्पन्न कराने के लिए केन्द्र व्यवस्थापक, बाह्य केन्द्र व्यवस्थापक और कक्ष निरीक्षकों की ड्यूटी तय कर दी गई है। इस बार 120 परीक्षा केन्द्रों पर हाईस्कूल की 38302 और इंटर मीडिएट की 36378 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। इस परीक्षा के दौरान कक्ष निरीक्षकों की किसी प्रकार की कमी नहीं हो। इसके लिए जिला विद्यालय निरीक्षक रवीन्द्र सिंह ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से बेसिक शिक्षा परिषद के 1837 अध्यापकों के नाम परीक्षा में कक्ष निरीक्षक की ड्यूटी के लिए मांगे गए हैं।

जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर उत्तर पुस्तिकाएं विशेष वाहन से भेजी जा रही हैं। इसके अलावा जनपद में प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर एक-एक केन्द्र व्यवस्थापक व वाह्य केन्द्र व्यवस्थापक की ड्यूटी लगाई गई है। कुल 120 केन्द्र व्यवस्थापक, 120 वाह्य केन्द्र व्यवस्थापक की ड्यूटी लगाई गई है।

प्रत्येक कक्ष में दो कक्ष निरीक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। इस प्रकार इस बार की परीक्षा में 5065 कक्ष निरीक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। इनमें माध्यमिक के 3226, बेसिक के 1477, रिजर्व बेसिक के 360 शिक्षक लगाए गए हैं।

बेसिक शिक्षा परिषद से मांगे 1837 शिक्षक-शिक्षिका

माध्यमिक शिक्षा परिषद के 3228 शिक्षक बनेंगे कक्ष निरीक्षक

उन्होंने बताया कि माध्यमिक शिक्षकों की ड्यूटी लगा दी गई हैं। जैसे ही बेसिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों की सूची बीएसए कार्यालय से प्राप्त हो जाएंगी। उनकी ड्यूटी लगा दी जाएगी। सभी शिक्षकों के पहचान पत्र बनाये जा रहे हैं।

मथुरा के लोगों को ड्राइविंग लाइसेंस का इंतजार

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कोई सी गाड़ी हो, उसको सड़क पर चलाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता होती है। यदि वाहन चलाते समय यह लाइसेंस नहीं होगा तो पुलिस चालान कर सकती है। आए दिन कहीं न कहीं चालान को लेकर पुलिसकर्मियों और गाड़ी चालकों के बीच तकरार होती देखी जाती है। इसकी वजह है लखनऊ से लाइसेंस का ना आना। इस कारण लाइसेंस के लिए रोजाना बड़ी संख्या में लोग एआरटीओ कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उनको संतोष जनक जवाब नहीं मिल रहा है। गौरतलब है कि मथुरा के सहायक संभागीय परिवहन निगम कार्यालय में एक बड़ी संख्या में लोग स्मार्ट ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) बनवाने के लिए आवेदन करते हैं। मथुरा से लाइसेंस की प्रक्रिया को पूरा करने के बाद लखनऊ मुख्यालय में प्रिंटिंग के लिए भेजा जाता है। फिर लखनऊ से प्रदेश भर के परमानेंट लाइसेंस को प्रिंट होने के बाद डाक द्वारा आवेदकों के घर भेजा जाता है। आवेदकों के डीएल घर पहुंचने की मियाद एक सप्ताह होती है, लेकिन यह वेटिंग अब दो-तीन माह तक पहुंच गई है। लखनऊ से मिल रही जानकारी के अनुसार मुख्यालय में लाइसेंस में लगाने वाली चिप का स्टॉक खत्म हो गया है। इसमें मैनेजमेंट सिस्टम (केएमएस) में तैनात कर्मियों की लापरवाही बताई जा रही है।

लखनऊ से कब आएगा, पता नहीं

हालांकि अब डीएल भेजने में आ रही दिक्कतों को परिवहन आयुक्त बीएन सिंह खुद देख रहे हैं। हालांकि मथुरा और वृंदावन के सहायक संभागीय परिवहन के अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन संपर्क न होने के कारण उनका पक्ष नहीं दिया जा रहा है।

धनगर सामूहिक विवाह सम्मेलन एक मार्च को गोवर्धन में

संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन। धनगर समाज का बारहवां सामूहिक विवाह सम्मेलन एक मार्च को होगा। मुख्य संरक्षक बाबूलाल प्रधान ने कहा कि दानदाताओं के सहयोग से एक मार्च को समिति बारहवां विवाह सम्मेलन करने जा रही है। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य है कि बेटी किसी पर बोझ ना बने और गरीब-अमीर में कोई अंतर न हो। दहेज रूपी दानव के विनाश के लिए सामूहिक विवाह सम्मेलन बहुत जरूरी हैं। राजनीतिज्ञों और प्रबुद्ध वर्ग को भी अपने बच्चों के विवाहों में सम्मेलनों को अपनाकर एक नजीर प्रस्तुत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि धनगर समाज के जिन नवयुगलों के रिश्ते तय हो गए हैं, उनके अभिभावक गोवर्धन स्थित धनगर धर्मशाला में पंजीकरण अवश्य करवा लें। पंजीकरण के समय लड़के की उम्र 21 वर्ष और लड़की की उम्र 18 वर्ष अति आवश्यक है। बैठक में महेंद्र सिंह धनगर, निरोत्तम सिंह धनगर, हुब्ब लाल धनगर, फतेह सिंह धनगर, रघुनाथ सिंह धनगर, सुरेशचंद धनगर, कुंदन सिंह धनगर, ओमप्रकाश धनगर एडवोकेट, बने सिंह धनगर, मोहन सिंह धनगर प्रधान, फौजी धनगर, हरि प्रसाद फौजी, चंद्र प्रकाश बृजवासी, नानकचंद धनगर, बाबूलाल होलकर आदि उपस्थित थे।

पंचायत सहायक संगठन का चुनाव आठ को

यूनिक समय, मथुरा। विकास खंड मथुरा में तैनात पंचायत सहायक संगठन का चुनाव आठ फरवरी को सहायक विकास अधिकारी ललितेश शर्मा के पर्यवेक्षण में होगा। यह निर्णय आज मथुरा ब्लॉक में हुई पंचायत सहायकों की बैठक में लिया गया।

छात्र-छात्राओं ने जानी पुलिस की कार्यप्रणाली

महिला थाने में पुलिस की कार्यप्रणाली की जानकारी लेते केआर महाविद्यालय व केआर ग्रर्ल्स इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राएं।

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अशोक कुमार कौशिक, डॉ. नवीन अग्रवाल, डॉ. रितु सुरेश एवं डॉ. ज्योतेष चौहान तथा कोतवाली सब इंस्पेक्टर अनुज तोमर ने किशोरी रमण महाविद्यालय एवं किशोरी रमन गर्ल्स कॉलेज के छात्र-छात्राओं को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का भ्रमण कराया। इनमें रिजर्व पुलिस लाइन, महिला थाना, जनपद नियंत्रण कक्ष, ट्रैफिक कंट्रोल रूम, एल आई यू, साइबर क्राइम सेल का भ्रमण कराते हुए पुलिस प्रणाली एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं को समझाया। महिला थाना प्रभारी रंजना सचान ने महिला थाने का भ्रमण कराते हुए पुलिस द्वारा किए जाने वाले कार्यों को दिखाया और बताया कि वे भी स्वयं एनएसएस वॉलिंटियर रही हैं। रिजर्व पुलिस लाइन का भ्रमण कराते हुए वहां के पुलिस प्रणाली एवं शस्त्रों के रखरखाव को दिखाया। एसपी सिटी डॉ. अरविंद कुमार ने भी महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्य प्रो. डॉ प्रवीण कुमार अग्रवाल ने भी सभी स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं दी।

वैलेंटाइन वीक का युवाओं को इंतजार

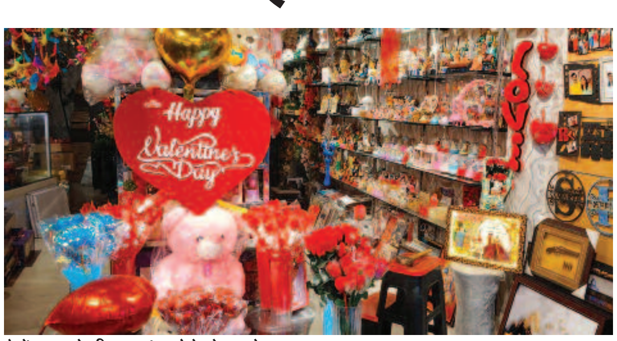

वैलेंटाइन डे वीक प्रारंभ होने से पहले एक दुकान पर सजा उपहार का सामान।

वैलेंटाइन डे वीक प्रारंभ होने से पहले एक शोरूम में दिखाई दे रहे उपहार।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। युवाओं के दिल की धड़कने बढ़ाने वाला वैलेंटाइन डे वीक के शुरू होने में अब कुछ ही घंटे बचे हैं। इस वीक को पड़ने वाले डे को मनाने के लिए युवक-युवतियां तैयार बैठे हैं। भले ही वह चोरी छिपे इस सप्ताह के सभी दिनों को अपने-अपने अंदाज में कहीं मनाएं। वैलेंटाइन डे वीक सात फरवरी से शुरू होकर 14 फरवरी तक चलेगा। सात को रोज डे, आठ को प्रपोज डे, नौ चाकलेट डे, 10 को टेडी डे, 11 को प्रोमिस डे, 12 को हग डे, 13 को किस डे, 14 को वैलेंटाइन डे एवं 15 को पॉकेट खाली डे मनाया जाएगा। वैलेंटाइन डे वीक को मनाने के लिए शहर की कई दुकानों पर तैयारी शुरू हो गई हैं। युवक-युवतियों के पसंदीदा सामान सजाकर रख दिए गए हैं, जिससे वह आपस में एक दूसरे तो तोहफा दे सकेंगे।

07 से 15 फरवरी तक मनाया जाएगा सप्ताह

बिजली चोरी करने वालों पर अंकुश

जनवरी माह में 723 मुकदमे लिखे

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। पूरे जनपद में बिजली चोरी के खिलाफ विद्युत प्रवर्तन दल ने बड़ी कार्रवाई की है। पिछले माह एक जनवरी से इस माह अलग-अलग इलाकों में बड़े पैमाने पर बिजली चोरी समेत विभिन्न मामलों में 723 के करीब मुकदमे दर्ज किए हैं। इस अभियान से बिजली चोरी करने वालों में हडकंप मचा हुआ है। कई स्थानों पर ग्रामीण और शहरी क्षेत्र लोग खुले आम बिजली चोरी करते पकड़े गए। प्रवर्तन दल के प्रभारी शिवकुमार ने बताया कि 2025 जनवरी माह में बिजली चोरी अभियान के माध्यम से जो बिजली चोरी करते हुए मिले और बकाया रूपया, बिजली ट्रांसफार्मर चोरी करने आदि मामलों में लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई हैं। बताया कि ग्रामीण इलाकों और बस्तियों में सबसे ज्यादा बिजली चोरी के मामले आते हैं।

गोवर्धन में बे-लगाम लेखपाल नहीं मानते साहब का आदेश

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन तहसील के लेखपाल अधिकारियों पर भारी पड़ रहे हैं। नियमानुसार काम करने में भी उनकी रुचि नहीं है। गोवर्धन के कई लेखपाल इतने काबिल हैं कि अनेक शिकायतों के बाद भी तहसील के निर्माण के समय से ही वह तहसील में जमे हैं। उनका तबादला करने की जहमत कोई भी उच्चाधिकारी नहीं उठा पाया है। हाल यह है कि मौजा जमुनावता के बंटवारे के एक मुकदमे में जुलाई में कोर्ट ने कुर्रे दाखिल करने के आदेश

न्यायालय के आदेश को लेखपाल ने किया दरकिनार

दिए लेकिन कई माह गुजरने के बाद भी लेखपाल ने कुर्रे दाखिल नहीं किए। इसके बाद एसडीएम न्यायिक ने शासकीय कार्यों में लापरवाही बरतने वाले लेखपाल के खिलाफ एसडीएम गोवर्धन को नवंबर 2024 में पत्र लिखकर अवगत कराया लेकिन लेखपाल इसके बाद भी हरकत में नहीं आए।

वाद संख्या 1664/2023 भगवान दास बनाम लक्ष्मण सिंह भाईयों में आपसी बंटवारे का वाद एसडीएम न्यायिक के यहां संचालित है। इसमें एसडीएम न्यायिक ने 26 जुलाई 2024 को हल्का लेखपाल को कुर्रेजात दाखिल करने के आदेश किए। लेखपाल को कुर्रे दाखिल करने को 9 अगस्त 24 को कोर्ट में तलब किया लेकिन लेखपाल नहीं आए। इसके बाद 23 नवम्बर 2024 को एसडीएम न्यायिक न्यायालय ने वाद को अनावश्यक रूप से लंबित रखने को जिम्मेदार लेखपाल के खिलाफ शासकीय कार्यों में गंभीर लापरवाही, शिथिलता व अरुचि को लेकर एसडीएम को पत्र लिखा लेकिन लेखपाल ने फिर भी कुर्रे दाखिल नहीं किए। इस संबंध में भाजपा जिला प्रतिनिधि दिलीप कुमार यादव ने मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव को पत्र लिखकर शिकायत की है कि सरकारी कार्य में लापरवाही की हदें पार करने वाले लेखपाल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। इस संबंध में एसडीएम से सम्पर्क साधा गया लेकिन उनका फोन नहीं उठा।

ट्रेन की चपेट में आकर प्राइवेट कर्मचारी की मौत

यूनिक समय, छाता। सीमावर्ती स्थित नरी-सेमरी रेलवे फाटक के समीप रात्रि में टेक मैनटेन की प्राइवेट ड्यूटी पर तैनात एक व्यक्ति की बुधवार प्रातः करीब पौने सात बजे ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। ड्यूटी पर तैनात संजय मीणा ने बताया कि कृष्ण गोपाल पुत्र बदन निवासी ग्राम सिहाना थाना छाता मथुरा की ओर से आ रही ट्रेन सं. 12155 की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना परिजनों को देकर संबंधित अधिकारियों ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आज का शब्द

बायोहैकिंग

क्या है बायोहैकिंग शब्द !

बायोहैकिंग का मतलब अपने शरीर और स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए वैज्ञानिक तरीकों का इस्तेमाल करना होता है। इसमें डाइट, सप्लीमेंट्स, नींद की सुधार, और टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाता है। जिसमें लोग अपनी शारीरिक और मानसिक प्रदर्शन को बेहतर करने के लिए फिटनेस ट्रैकर्स, मेडिटेशन और खास डाइट्स का इस्तेमाल करते है।

पीएसए प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की खिलाफत में उतरे ई-रिक्शा चालक

प्रदर्शन करते ई रिक्शा चालक।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। ई-रिक्शा चालकों ने बुधवार को पापड़ी चौराहे पर एकत्रित होकर पीएसए प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के खिलाफ प्रदर्शन किया। सैकड़ों की संख्या में जुटे गुस्साए चालकों ने कंपनी द्वारा नए रूट देने के नाम पर 1500 रुपये शुल्क वसूलने का विरोध किया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि पहले मात्र 140 में स्टीकर उपलब्ध कराए गए थे, लेकिन अब स्टीकर के नाम पर 1500 रुपए लिए जा रहे है। समिति द्वारा चालकों से 500 रुपये लेकर रूट की व्यवस्था सुचारू रूप से चल रही थी, फिर अब तीन गुना ज्यादा शुल्क क्यों लिया जा रहा है? चालकों ने यह भी सवाल उठाया कि जब वृंदावन ई-रिक्शा समिति उनकी समस्याओं के समाधान

नया रूट शुल्क बढ़ाने का विरोध, प्रदर्शन

के लिए हमेशा आगे रहती थी तो अब निजी कंपनी के आने के बाद उनके हितों की गारंटी कौन लेगा? ई-रिक्शा चालकों का कहना है कि वृंदावन में पहले से ही सीमित कमाई होती है, ऐसे में अधिक शुल्क वसूलना अन्यायपूर्ण है।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया गया, तो वे आगे और उग्र प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होंगे। प्रदर्शन करने वालों में ठाकुर ज्ञानेंद्र सिंह, अजय चौधरी, भारत शर्मा, योगेश, बबलू भारद्वाज, विष्णु, सूरज, करन, मुकेश बघेल, कल्याण सिंह, सौरव, राहुल एवं लक्की आदि शामिल थे।

"बोलती तस्वीर"

यमुना का मनोहारी दृश्य

सुबह सूर्य भगवान बादलों से अठखेलिया करते हुए माँ यमुना को चरण वंदन करना नही भूले ।

विंटर ड्रेस पाकर खिल उठे पालिका कर्मचारियों के चेहरे

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर पालिका परिषद के कर्मचारी अब ड्रेस में ही नजर आएंगे। पालिका ने उन्हें विंटर ड्रेस वितरण किया है। चेयरमैन धर्मवीर अग्रवाल ने पालिका के विभिन्न विभागों के करीब 225 कर्मचारयों को विंटर ड्रेस वितरित की। कर्मचारियों को ड्रेस में ओवर कोट से लेकर जरूरी कपड़े मिले। कहा कि कर्मचारियों को समय पर सुविधाऐं मिलेंगी तो निश्चित तौर पर शहर में भी कार्य का अगल अनुभव देखने को मिलेगा। इस मौके पर लेखाधिकारी योगेंद्र शर्मा, जेई जल विकास चौहान, खाद्य एवं सफाई निरीक्षक राजीव यादव एवं हरेकिशन आदि मौजूद थे।

रोजगार मेला सात को

यूनिक समय, मथुरा। प्रभारी जिला रोजगार सहायता अधिकारी ने बताया है कि जिला सेवायोजन कार्यालय एवं मॉडल करियर सेन्टर के संयुक्त तत्वावधान में सात फरवरी को प्रातः 10:30 बजे से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान परिसर वृन्दावन में एक दिवसीय निःशुल्क रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है।

उक्त रोजगार मेले में पेटीएम एवं क्लिंटन आदि कम्पनियों द्वारा 200 रिक्त पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। इण्टर, स्नातक, आईटीआई अर्हता वाले इच्छुक अभ्यर्थी सेवायोजन पोर्टल पर अपना ऑनलाइन पंजीयन करा कर सात फरवरी को आयोजित मेले में प्रतिभाग कर सकते हैं तथा अपने सभी शैक्षिक प्रमाण पत्रों एवं बायोडाटा सहित प्रातः 10:30 बजे साक्षात्कार हेतु उपस्थित हो सकते हैं।

पुलिस ने 28 किलो गांजे के साथ दो तस्कर दबोचे

यूनिक समय, मथुरा। जंक्शन जीआरपी ने गांजा की तस्करी करने वाले दो अभियुक्तों गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 28.410 किलोग्राम गांजा बरामद किया। इसकी अन्तर्राष्ट्रीय अनुमानित कीमत लगभग 5,70,000/- रुपये आंकी गई है। तस्करों के नाम जयकिशोर शाह पुत्र गुदर शाह निवासी मौहल्ला गंगानगर कस्बा व थाना बृजराजनगर जिला झार सुगडा उड़ीसा एवं पवित्र सुना पुत्र रविन्द्र सुना निवासी ग्राम लोइंगा थाना चारिछोक जिला बौद्ध उड़ीसा बताए गए।

यमुना को स्वच्छ रखने को चलाया अभियान

मथुरा–वृंदावन में नौका दौड़ कराई

केशीघाट पर आयोजित नौका दौड़ प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागी नाविक।

विजेताओं को पुरस्कृत करते पदाधिकारी।

यूनिक समय, वृंदावन। जिला प्रशासन एवं उप्र प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड के सौजन्य तथा अमन जन सेवा समिति आगरा के बैनर तले मथुरा के विश्राम घाट एवं वृंदावन में केसी घाट पर यमुना को पॉलीथिन मुक्त करने के लिए जन–सहभागिता एवं पर्यावरण जन–

प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेता पुरस्कृत

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नगर निगम मथुरा-वृन्दावन मथुरा के अपर नगर आयुक्त रामजी लाल, उप्र प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी पंकज यादव व वैज्ञानिक आर. बी. सिंह आदि उपस्थित थे। संस्था सचिव डॉ. जीआर शर्मा ने कहा यमुना को हिन्दू धर्म में देवी के रूप में पूजा जाता है। बहुत पहले यमुना का पानी एक दम नीला एवं स्वच्छ रहता था लेकिन आज यमुना नदी दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित नदियों में से एक मानी जाती है। नदी के किनारे हमको पेड़–पौधे लगाने चाहिए एवं पार्क विकसित करने चाहिए। जिससे प्रदूषण कम होगा। प्रदूषण रोकिये एवं पर्यावरण बचाने पर जोर दिया। मथुरा में विश्राम घाट एवं वृन्दावन में केसी घाट पर पॉलीथिन सफाई अभियान चलाया। दोनों घाटों पर वोट रेस (नौका दौड़) कराई गयी। वोट रेस के प्रतिभागियों को प्रोत्साहन पुरस्कार धनराशि एवं वोट रेस में प्रथम, द्वितीय, तृतीय आने वाले विजेताओं को मोमेंन्टो भी दिये गये।

कल का संभावित मौसम

सुबह– मथुरा में कल सुबह का तापमान 9 डिग्री सेल्सियस रहेगा। हवा, नमी और अन्य मौसम की स्थितियों जैसे कारकों को ध्यान में रखते हुए तापमान 7 डिग्री सेल्सियस जैसा महसूस हो सकता हैं। सुबह बारिश की संभावना नहीं है, और हवा की गति 10 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी।

दोपहर– दोपहर के समय तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहेगा। 21 किलोमीटर प्रति घंटा की हवा की गति के साथ आर्द्रता लगभग 20 प्रतिशत रहेगी।

शाम–शाम का तापमान 24 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। इस समय बारिश की संभावना नहीं है, साथ ही हवा की गति 22 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी।

रात– रात का तापमान 14 डिग्री सेल्सियस रहेगा। हवा की गति 15 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी।

छाता तहसील में 85,746 यूनिटों की नहीं हुई केवाईसी

यूनिक समय, छाता। प्रदेश सरकार के आदेश के अनुसार पिछले 6 महीनों से राशन कार्ड में दर्ज यूनिटों की केवाईसी का कार्य सुचारू रूप चल रहा है। छाता तहसील क्षेत्र में कुल 3 लाख 62 हजार राशन कार्ड की यूनिटों में से अभी तक 85,746 यूनिटों की केवाईसी नहीं हुई है।

केवाईसी की तिथि एक बार फिर से 28 फरवरी तक बढ़ा दी है। आपूर्ति इंस्पेक्टर

पूर्ति निरीक्षक मोहन प्रकाश।

मोहन प्रकाश ने बताया कि छाता तहसील क्षेत्र में जनवरी माह के अंत

केवाईसी, नहीं कराई तो राशन से हो सकते हैं वंचित

तक 85,746 यूनिटों की केवाईसी नहीं हुई है।

उन्होंने बताया कि क्षेत्र भर में जिन लोगों ने अभी राशन कार्ड की केवाईसी नहीं कराई है। वह जल्द अपने राशन दुकानदार के यहां जाकर केवाईसी अवश्य करा लें। अगर 28 फरवरी तक केवाईसी नहीं हुई तो उनकी यूनिटें राशन कार्ड से काट दी जायेंगी। पांच साल के बच्चों के आधार अपडेट कराने की बाद ही उनकी केवाईसी की जायेगी। उन्होंने कहा कि मृत लोग, शादीशुदा लड़कियों व अन्य स्थानों पर स्थापित (बाहर निवास करने वाले) लगभग 11,570 यूनिट काट दी गई है।

राशन सामग्री का वितरण सात से 25 तक

यूनिक समय, मथुरा। जिला पूर्ति अधिकारी सतीश कुमार मिश्रा ने बताया कि जनपद में फरवरी माह का राशन सात से 25 फरवरी तक होगा। निःशुल्क अन्त्योदय के कार्ड पर 17 किग्रा गेहूं, 13 किग्रा चावल एवं 05 किग्रा बाजरा (कुल 35 किग्रा) व पात्र गृहस्थी कार्ड पर प्रति यूनिट 2.70 किग्रा चावल एवं 2.30 किग्रा गेहूं (कुल 05 कि०ग्रा०) को वितरण सात से 25 फरवरी तक तक वितरण किए जाने के निर्देश दिये गये हैं।

वारंटी अभियुक्त दबोचा

यूनिक समय, बलदेव। पुलिस ने 01 वारण्टी अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। अभियुक्त का नाम प्रमोद कुमार पुत्र गोपाल प्रसाद निवासी किलौनी थाना बलदेव बताया गया है।

होली पर मथुरा–वृंदावन में रखें व्यवस्थाएं दुरुस्त : नगर आयुक्त

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। होली पर महानगर के मथुरा-वृंदावन आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए नगर आयुक्त के निर्देशन में नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारियों ने तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। आज इन व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के लिए नगर आयुक्त शशांक चौधरी की अध्यक्षता में नगर निगम कार्यालय में बैठक हुई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं/परिक्रमार्थियों को मथुरा व वृंदावन में किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। सभी व्यवस्थाओं का सभी अधिकारी निरीक्षण कर लें जहां भी कोई कमी हो उनको तुरंत ठीक करा लें।

महाशिव रात्रि पर यमुना व गंगा जल चढ़ाने के लिए कांवर लेकर श्रद्धालु आ यहां आएंगे। मथुरा–वृंदावन के शिव मंदिरों में भारी भीड़ रहेगी। वहीं सात व आठ मार्च को बरसाना की होली, 10 मार्च रंगभरनी एकादशी को श्रीकृष्ण जन्मस्थान व बांके बिहारी की होली का आयोजन होगा। इस दौरान वृंदावन और मथुरा में यात्रियों को आवागमन रहेगा।

नगर निगम कार्यालय में निगम के अधिकारियों के साथ बैठक करते नगर आयुक्त शशांक चौधरी।

इसे दृष्टिगत रखते हुए आज नगर निगम के समस्त अधिकारियों के साथ नगर आयुक्त शशांक चौधरी ने बैठक की। बैठक में नगर निगम स्तर से की जाने वाली सफाई व्यवस्था, पेयजलापूर्ति, प्रकाश व्यवस्था, सार्वजनिक शौचालय 24 घण्टे खुले रहने, शौचालयों पर कर्मचारियों की तैनाती, पेचवर्क, सीवर ओवर फ्लो न हो आदि हेतु बेहतर प्रबन्ध किये जाने के निर्देश दिये गए।

उन्होंने सभी जोनल अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमणशील रहते हुये अपने पर्यवेक्षण में कार्य कराया जाने के निर्देश दिये। रंगभरनी एकादशी पर वृंदावन परिक्रमा मार्ग एवं बांके बिहारी मन्दिर, प्रेम मंदिर, इस्कॉन मंदिर, विद्यापीठ, रंगजी मंदिर के आस–पास

श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सभी जोनल अधिकारियों को निर्देश

अपने–अपने क्षेत्रों में भ्रमण करके आंकलन कर लें कि कहां क्या कमी है

शिवरात्रि से पहले कमियों को ठीक करा लें

कोई भी आवारा गोवंश न मिले, इस हेतु निरन्तर अभियान चलाये जाने के निर्देश दिये गये। बैठक में अपर नगर आयुक्त सीपी पाठक, अनिल कुमार, सहायक नगर आयुक्त राकेश त्यागी, अनुज कौशिक, श्रीमती कल्पना सिंह चौहान, महाप्रबन्धक (जल), मुख्य अभियन्ता सिविल, नगर स्वास्थ्य अधिकारी, जोनल सेनेटरी अधिकारी आदि उपस्थित थे।

बेहतर काम करने वाले उप निरीक्षक किए सम्मानित

फिरोजाबाद में हुए सम्मान कार्यक्रम में उप निरीक्षक उत्तम चौहान को प्रशस्ति पत्र देती एडीजी अनुपम कुलश्रेष्ठ।

एडीजी ने उप निरीक्षक उत्तम चौहान को दिया प्रशस्ति पत्र

यूनिक समय, कोसीकलां। बेहतर कार्य प्रणाली एवं त्वरित कार्यवाही करने पर जिंदल पुलिस चौकी इंचार्ज उत्तम चौहान को एडीजी अनुपम कुलश्रेष्ठ ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही लगन और निष्ठा के साथ काम करने के लिए प्रेरित किया। फिरोजाबाद में आयोजित हुए कार्यक्रम में जिंदल पुलिस चौकी के इंचार्ज उत्तम चौहान को प्रशस्ति पत्र मिला है।

नये मंडी सचिव ने चार्ज लेते ही बंद पड़े स्वागत भवन को खुलवाया

नवनियुक्त मंडी सचिव पंकज शर्मा का स्वागत करते भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी।

भाकियू के कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

यूनिक समय, मथुरा। राजकीय कृषि उत्पादक मंडी समिति के नवनियुक्त सचिव पंकज शर्मा ने चार्ज लेने के 24 घंटे के अंदर भारतीय किसान यूनियन सुनील की पुरानी मांग मंडी समिति परिसर स्थित स्वागत कक्ष को खुलवाकर पूरा कर दिया। इस पर यूनियन के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन चतुर्वेदी ने बताया कि यूनियन ने तीन माह पहले मथुरा मंडी समिति परिसर में किसानों के अनाज रखने के लिए टिन सेट की व्यवस्था व किसानों को रुकने के लिए स्वागत भवन खुलवाने की मांग के लिए धरना प्रदर्शन किया था। उसके आगे बना प्लेटफॉर्म खाली नहीं हुआ था सिर्फ स्वागत भवन के ताले खोले गए थे। बाद में उसको भी बंद कर दिया गया था। आज किसानों की जीत हुई है। नव नियुक्त मंडी सचिव पंकज शर्मा ने पांच नंबर प्लेटफॉर्म खाली कराकर किसानों के अनाज रखने के लिए प्रस्तावित किया गया है और स्वागत भवन का भी ताला खोल दिया गया है। इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन (सुनील) के उत्तर प्रदेश के प्रभारी सुनील चौधरी जनसेवक, किसान नेता तनवीर कुरैशी, फैजान कुरैशी आदि ने मंडी सचिव का मांग पूरी करने पर स्वागत किया।

आशा से भरा एक वर्ष

हथिनी के बच्चे की चमत्कारिक रूप से हुई रिकवरी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। एक दुखद हादसे में उत्तराखंड राज्य में तेज़ रफ्तार ट्रेन ने मादा हथिनी और उसकी 9 महीने की बच्ची को टक्कर मार दी थी। इस कारण हथिनी की स्थान पर ही मृत्यु हो गई और उसकी बच्ची गंभीर रूप से घायल होकर बगल के खेत में जा गिरी। 'बानी' नाम की यह बच्ची, जो उस समय 9 महीने की थी, उसको पीठ में लकवा मार गया और उसे उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में स्थित भारत के पहले हाथी अस्पताल में इलाज के लिए लाया गया था। आयुर्वेद और एक्यूपंक्चर के अलावा, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों के परामर्श से महत्वपूर्ण देखभाल प्रदान किए जाने के बाद, बानी में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है, जिसके परिणामस्वरूप आज बानी ने अस्पताल परिसर में एक साल पूरा कर लिया है।

उल्लेखनीय रूप से, कई हफ्तों की तेल मालिश और हाइड्रोथेरेपी पूल के उपयोग के बाद बानी आखिरकार खड़ी होने में सक्षम हो गई है। वह अब कम दूरी तक चलने और अपने आस–पास की हरियाली को जानने में सक्षम हो गई है। हालाँकि, बानी की चाल असामान्य है, जो उसके चलने की दूरी को सीमित कर देती है।

पत्रकार रामकुमार रौतेला की मां पंचतत्व में विलीन

यूनिक समय, मथुरा। वरिष्ठ पत्रकार रामकुमार रौतेला की माताजी श्रीमती रामबेटी (75) पत्नी सीएम रौतेला का सोमवार को निधन हो गया। 31 जनवरी को उन्हें ब्रेन हेमरेज हो गया था, उन्हें मथुरा स्थित आरोग्य प्लस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान सोमवार को रात आठ बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार की दोपहर हाथरस जनपद के ब्लॉक हसायन अंतर्गत गांव रती का नगला में उनके ज्येष्ठ पुत्र रामकुमार रौतेला ने किया। उन्होंने अपने पीछे पति सीएम रौतेला, ज्येष्ठ पुत्र रामकुमार रौतेला, योगेंद्र कुमार रौतेला, पुत्री रेखा, मिथलेश और ममता तथा पौत्र वंश, देव और कान्हा छोड़ा हैं। इनके निधन की खबर सुनकर पत्रकार जगत में शोक की लहर दौड़ गई। उनके घर श्रद्धांजलि देने के लिए शुभचिंतक, मित्र, राजनैतिक दलों के नेता आदि पहुंच रहे हैं।

कृष्णा नगर स्थित यूनिक समय कार्यालय पर पत्रकार रामकुमार रौतेला की माताजी के निधन पर

श्रद्धांजलि देने को लगा तांता

शोक सभा का आयोजन किया गया। इसमें यूनिकॉम के एमडी राजकुमार गौतम, यूनिक समय के सम्पादक पवन गौतम, मनन गौतम, महेश वार्ष्णेय, गिरधारीलाल श्रोत्रिय, अफ़जाल अहमद, मुकेश गौतम, प्रदीपकांत मिश्रा, राजू चौरसिया, सोनम, हिमांशु वर्मा, सलमान, शिवम, तरूण, ब्रजबिहारी, खूशबू, अर्पिता, कीर्ति अग्रवाल, लोकेश, गुंजन सिंह, चिरांक, विजय, नंदनी, संदीप कुमार, शिवम, रवि, ईश्वरी प्रसाद, जगवीर आदि ने श्रीमती रामबेटी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

लिया है जन्म मानव का तो फिर इंसान बनकर जी...

कवि सम्मेलन में आए कवि आयोजकों के साथ।

यूनिक समय, वृंदावन। बसंतोत्सव पर चंद्र आनंद निकुंज चैरिटेबल ट्रस्ट के बैनर तले आनंदोत्सव कवि सम्मेलन आयोजन नाभा घाट पर किया गया। कवि सम्मेलन का शुभारंभ आचार्य ज्ञानेंद्र गोस्वामी, आचार्य बृजेंद्र गोस्वामी ने किया। कवयित्री रेनू उपाध्याय की सरस्वती वंदना के बाद संचालन कर रहे डॉ. उमाशंकर राही ने कहा.. लिया है जन्म मानव का तो फिर इंसान बनकर जी। भले ही एक दिन को जी मगर पहचान बनकर जी।। अध्यक्षता करते कवि मोहन मोही ने कहा कि जहां भी कॉरिडोर बनाए वहीं पर हम कमजोर हुए या तो हमने वहां सीटों को खोया या संघर्ष घनघोर हुए।। सिकंदराराऊ से आए हास्य कवि देवेंद्र दीक्षित शूल ने कहा कि सौ रुपये का मुफ्त मिले कुछ तो हजार का छोड़ें काम। इस मौके पर बृजभूषण चतुर्वेदी दीपक, डीग से आए सुनील पाराशर सरल, के. सी. गौड़ बृजवासी तथा अलीगढ़ मणि मधुकर मूसल ने भी काव्य पाठ किया। इस अवसर पर डॉ. लक्ष्मी गौतम, अवनि गौतम, मधु शर्मा, अंतो शर्मा, शिवेंद्र गोस्वामी एवं रविशंकर गोस्वामी आदि उपस्थित थे।

जतीपुरा की टीम ने महाकाली क्रिकेट क्लब को चार विकेट से हराया

यूनिक समय, गोवर्धन। कस्बे जहाज घर स्टेडियम में पांचवें मां भगवती क्रिकेट टूर्नामेंट में बुधवार को महाकाली क्रिकेट क्लब कोसी और जतीपुरा क्रिकेट क्लब जतीपुरा के मध्य मैच खेला गया। इसमें जतीपुरा क्रिकेट क्लब ने महाकाली क्रिकेट क्लब कोसी को 6 विकेट से हराकर मैच जीत लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए महाकाली क्रिकेट क्लब कोसी ने 10 विकेट खोकर 93 रन का लक्ष्य दिया जिसे जतीपुरा क्रिकेट क्लब ने चार विकेट खोकर 2 ओवर शेष रहते मैच जीत लिया। जतीपुरा

गोवर्धन में खेले जा रहे क्रिकेट टूर्नामेंट में विजेता टीम के खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते आयोजक।

की तरफ से विमल ने सर्वाधिक तीन छक्के लगाए और दो विकेट भी झटककर मैन ऑफ द मैच रहे। विजेता जतीपुरा की टीम को ट्रॉफी प्रदान की। इस टूर्नामेंट में कुल 24 टीम में हिस्सा ले रही हैं। टूर्नामेंट का शुभारंभ 27 जनवरी से प्रारंभ हो चुका है। टूर्नामेंट में विजेता टीम को 71000 का पुरस्कार उपविजेता टीम को 41000 का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर आयोजक मंडल के राहुल मुखिया, मोनू चेयरमैन, भूरा कौशिक, बिट्टू शर्मा, मोनू स्टार, मुनमुन ठाकुर, राघवेंद्र मोहित शर्मा व लाली आदि उपस्थित थे।

पंच परिवर्तन के साथ शताब्दी वर्ष मनाया

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मथुरा महानगर के कृष्ण भाग के घोष वर्ग के समापन पर केशव भवन सरस्वती कुंड पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता ब्रज प्रान्त शारीरिक शिक्षण प्रमुख महावीर ने कहा कि संगीत में स्वरों की साधना निरंतर बहुत जरूरी है। बिना निरंतरता स्वरों को समझना और साधना कठिन है। उन्होंने कहा कि डॉ. हेडगेवार ने 1925 में आर एस एस की स्थापना की। संघ ने शताब्दी वर्ष को पंच परिवर्तन के साथ मनाया जायेगा। वक्ताओं ने कहा कि जाति वादी को छोड़कर सबको एक समान आगे बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम में शिक्षक शिवांशु, सुमित, अजय सर्राफ, बनवारी, लक्ष्मी नारायण, अरुण, सचिन, कुलदीप, विवेक, विजय, बंटा, सीताराम, अजय सर्राफ, बनवारी, सुमित, विजय, पवन तथा शिवांशु आदि उपस्थित थे।

ऐसे अभियंताओं पर कब लगेगी लगाम

वरिष्ठ संवाददाता

पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड के एक्सईएन ने शासन से स्वीकृत नहीं कराये कार्य

करोड़ों रूपये के कार्य की मांग ली निविदाएं

जबाव देने से बचते दिखे एक्सईएन

यूनिक समय, मथुरा। पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड मथुरा का नया कारनामा उजागर हुआ है। खंड के अधिशासी अभियंता ने शासन की बिना स्वीकृति के करोड़ों रुपए के भवनों के निर्माण के टेंडर निकाल दिए गए हैं। इस संबंध में मुख्यमंत्री व पीडब्ल्यूडी मंत्री को शिकायत की गई है। वहीं अब अधिशासी अभियंता इस संबंध में जबाव देने से बचते हुए दिखाई दे रहे हैं। जबकि अधीक्षण अभियंता ने बताया कि उनको इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता द्वारा विभिन्न समाचार पत्रों में जिला मुख्यालय स्थित ऑफिसर्स कॉलोनी में प्रशासनिक अधिकारियों के पूल्ड हाउसिंग के आवंटित आवासों में बी 5, बी 7, बी 10, बी 12, बी 13, बी 18, बी 19, बी 21 की विशेष मरम्मत का कार्य कराने के लिए 83 लाख रुपये, न्यायाधीशों को आमंत्रित पूर्ण हाउस आवास संख्या बी 1, बी 8, बी 11, बी 14, बी 15, बी 16, बी 17 एवं बी 22 की विशेष मरम्मत का कार्य लागत 42 लाख रुपये, टाइप 4 आवास संख्या 1 से 12 तक की विशेष मरम्मत का कार्य लागत 90 लाख 50 हजार रुपये के टेंडर प्रकाशित कराये गए हैं। जिसमें अधीक्षण अभियंता आगरा का पता दिया गया है। वहीं प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता के नाम से ऑफीसर्स कॉलोनी में पूल्ड हाउसिंग के टाइप 1 से 12 आवासों की विशेष मरम्मत का कार्य लागत 28 लाख, सी 1 से सी 4 की विशेष मरम्मत का कार्य लागत 22 लाख 50 हजार रुपये, कृष्णापुरी में टाइप कर एनएच 1 से 7 तक आवासों की विशेष मरम्मत का कार्य लागत 17 लाख रुपये, टाइप कर एनएच 1 से 6 तक आवासों की विशेष मरम्मत का कार्य लागत 20 लाख रुपये, ऑफीसर्स कॉलोनी में प्रशासनिक अधिकारियों को पूल्ड हाउसिंग के आवंटित आवास संख्या बी 6 की विशेष मरम्मत का कार्य लागत 13 लाख रुपये, जनपद में एनएच टाइप 2 के आवास संख्या 4, 5 एवं 7 की विशेष मरम्मत का कार्य लागत 16 लाख रुपये के टेंडर प्रकाशित कराये हैं। जबकि शासन का आदेश है कि कोई भी प्रस्ताव चाहे सड़क या भवन निर्माण का हो बिना शासन के स्वीकृत हुए और धन आवंटन प्राप्त हुए निविदा आमंत्रित नहीं की जा सकती हैं। ऐसा करने पर निविदा आमंत्रित करने वाले अधीक्षण अभियंता एवं अधिशासी अभियंता के विरुद्ध अनुशासनात्मक करवाई की जाएगी। फिर भी बिना स्वीकृति के निविदाओं को निकाल कर सरकारी धन की लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड मथुरा बर्बादी कर रहा है। जब इस संबंध में पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता से फोन से पूछा गया तो उन्होंने फोट काट दिया। इसके बारे में जानकारी देना उचित नहीं समझा। जबकि अधीक्षण अभियंता आगरा सीपी सिंह ने बताया कि उनको इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। यह तो अधिशासी अभियंता ही बताएंगे कैसे बिना शासन की स्वीकृति के यह टेंडर निकाल दिए गए हैं। इसकी वे जांच कराएंगे।

श्री कृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के तत्वावधान में रोटरी मंडल की कलश शोभायात्रा में शामिल महिलाएं।

कलश शोभायात्रा में महिलाएं जमकर थिरकीं

भव्य कलश शोभायात्रा से शुरू हुई दिव्य श्रीमद्भागवत कथा

यूनिक समय, मथुरा। श्री कृष्ण जन्म स्थान सेवा संस्थान के तत्वावधान में रोटरी मंडल 3110 एवं रोटरी के विभिन्न क्लबों के सहयोग से आयोजित की जा रही श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ बुधवार को 108 कलश यात्रा के साथ हुआ। रोटरी द्वारा आयोजित की जा रही दिव्य श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ 108 महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकालकर किया गया। कलश यात्रा पुराने संगीत सिनेमा स्थित रोटेरियन प्रदीप अग्रवाल के निवास स्थान से प्रारंभ होकर डीग गेट होते हुए जन्म भूमि के गेट नंबर एक से जन्मभूमि परिसर के कथा स्थल पहुंची। संयोजक रोटेरियन प्रदीप अग्रवाल ने कहा कि यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि इतने बड़े आयोजन के किसी एक कार्यक्रम की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी मुझे मिली है। कलश लेकर चलने वाली महिलाओं में रुचि अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, आरती कपूर, दीप्ति टेंटीवाला, राधा रानी अग्रवाल, डॉ कामिनी सिसोदिया, प्रतिभा गर्ग, डॉ रोली बंसल, श्वेता खंडेलवाल, डॉक्टर वर्तिका, किशोर चेताली पाराशर, गरिमा साहू,पूजा अग्रवाल, गौरी मित्तल आदि ने भाग लिया। श्रीमद भागवत कथा गणेश पूजन एवं यमुना पूजन करके शुरू किया। भागवत आचार्य अभिषेक गोस्वामी ने कथा के दौरान बताया कि लोगों को लोग धन शराब आदि अन्य मद(नशे) से ऊपर उठकर श्री(राधारानी) की भक्ति के मद में रहना चाहिए क्योंकि उसी मद में रहकर कृष्ण की प्राप्ति हो सकती है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि प्रभु दर्शन के लिए सच्चे भाव का होना बहुत जरूरी है। पूर्व मंडल अध्यक्ष शरत चंद्रा ने बताया कि यूं तो रोटरी विभिन्न प्रकार के सामाजिक एवं अन्य कार्यक्रम करता है लेकिन रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3110 का श्रीमद् भागवत कथा कराकर एक सराहनीय कार्य कर रहे है। मंडल अध्यक्ष नीरव निमेष अग्रवाल, मुख्य संयोजक कृष्णदयाल अग्रवाल, नरेश बर्मन, बीवी कालरा, अशोक अग्रवाल, नितिन मित्तल, रोहित कपूर, नितिन भटनागर, अपूर्व अग्रवाल, उमेश गोयल, आशुतोष कुमार, डॉ अशोक अग्रवाल, अजीत अग्रवाल गण मान्य लोग मौजूद थे।

गुरु जी का महासत्संग 9 फरवरी को होगा

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा संगत द्वारा 9 फरवरी को दोपहर 12 से दो बजे तक महा सत्संग का आयोजन बसेरा होटल, राधापुरम के पास, दिल्ली–मथुरा हाईवे पर होगा। इस आध्यात्मिक मिलन में गुरु महाराज के दिव्य वचनों का अमृतपान करने और उनके आशीर्वाद प्राप्त करने का भक्तों को सौभाग्य प्राप्त होगा। यह जानकारी विशाल खुराना ने दी।

दहेज उत्पीडन में पति समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

यूनिक समय, कोसीकलां। दहेज उत्पीड़न में पति सहित पांच के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। बुलट मोटर साइकिल की मांग पूरी न होने पर ससुरालीजनों ने विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाल दिया। थाना क्षेत्र के गांव शाहपुर निवासी मौसम पुत्री वाले ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर गांव सादनखेडा, थाना अछनेरा निवासी पति सुनील, सास मुन्नी, ननद अफसाना, जेठ साहब सिंह व राजेश के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता ने बताया कि सन 2021 में उसकी शादी सुनील के साथ हुई थी। शादी के कुछ वर्ष बाद ही ससुरालीजन दहेज में बुलट मोटरसाइकिल मांग कर प्रताड़ित करने लगे। मांग नहीं पूरी होने पर इन लोगों ने मारपीट कर घर से निकाल दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक अजित सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ब्रज चिकित्सा संस्थान का 48वां स्थापना दिवस

नि :शुल्क चिकित्सा शिविर का समापन

डॉक्टर को सम्मानित करते पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज चिकित्सा संस्थान के 48वें स्थापना दिवस पर आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर के चौथे समापन हो गया। इस अवसर पर मेट्रो हार्ट इंस्टिट्यूट, फरीदाबाद के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। लगभग 409 मरीजों को लाभ लिया।

शिविर में हृदय रोग, गुर्दा रोग, श्वास एवं फेफड़ा रोग, हड्डी एवं जोड़ रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग, तथा चर्म एवं गुप्त रोग के विशेषज्ञों ने मरीजों की जांच की और आवश्यक परामर्श दिया। वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. नवल किशोर गोयल सहित कई अनुभवी चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं। इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष जितेंद्र अग्रवाल 'मैदा वाले', मंत्री अनुराग अग्रवाल 'कसेरे', उपाध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल 'हाथी वाले', कोषाध्यक्ष एवं शिविर संयोजक राहुल अग्रवाल 'शोरा वाले', सह–संयोजक दीपक गोयल 'एडवोकेट', कन्हैया लाल बजाज 'गुरु कृपा', दिनेश चंद 'बिसाबर वाले', महेश चंद 'कसेरे', रजनीकांत अग्रवाल 'चौकसी', राजीव अग्रवाल 'चौकसी', रामनिवास 'टोंटी वाले', गोविंद सिंघल एवं राजेश गुप्ता 'आलू वाले' उपस्थित थे। संस्थान के पदाधिकारियों ने शिविर में योगदान देने वाले सभी चिकित्सकों को पटका व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

कैंसर दिवस पर सिम्स हॉस्पिटल में लगा नि:शुल्क कैंसर कैम्प

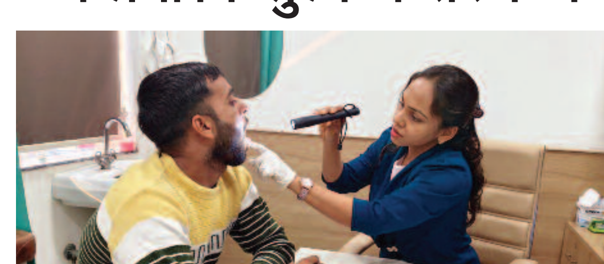

यूनिक समय, मथुरा। सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस सिम्स हॉस्पिटल में विश्व कैंसर दिवस निःशुल्क कैंसर रोग परामर्श शिविर लगाया। कैंसर कैम्प में सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. यशस्वी चौधरी ने आये हुए कैंसर मरीजों को निःशुल्क परामर्श दिया तथा जाँचों पर भी छूट दी गई।

सिम्स हॉस्पिटल की कैंसर सर्जन डॉ. यशस्वी चौधरी ने कहा कि सिम्स हॉस्पिटल में सभी प्रकार के कैंसर का सर्वश्रेष्ठ इलाज उपलब्ध है। कैंसर मरीजों को दर्दमुक्त करने के लिए सिम्स हॉस्पिटल में दर्द प्रबन्धन विभाग मौजूद है। यहाँ पेन मैनेजमेंट विशेषज्ञ डॉ. पंकज शर्मा और डॉ. निखिल विक्रम शरीर सभी प्रकार के दर्द का इलाज करते है।

सिम्स हॉस्पिटल समाज को कैंसर के प्रति जागरुकता के लिए समय समय पर कैंसर जागरुकता के लिए हेल्थ टॉक या हेल्थ कैम्प करता है। आज कैंसर दिवस पर कैम्प में 20 से अधिक मरीज देखे गये, जिनमें मुँह के कैंसर, गले का कैंसर, स्तन कैंसर, मस्तिष्क के कैंसर एवं बच्चेदानी के कैंसर के मरीज देखे गये। सिम्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. गौरव भारद्वाज ने कहा कि सिम्स है तो मुमकिन है।

राजीव इंटरनेशनल स्कूल में 12वीं के विद्यार्थियों को दी फेयरवेल पार्टी

रिद्धिमा चतुर्वेदी मिस फेयरवेल, चिराग सिंह बने मिस्टर फेयरवेल

प्रमुख संवाददाता

राजीव इंटरनेशनल स्कूल में दी गई फेयरवेल पार्टी में प्रसन्न मुद्रा में गुरुजन और छात्र–छात्राएं।

यूनिक समय, मथुरा। राजीव इंटरनेशनल स्कूल में 11वीं के विद्यार्थियों ने अपने सीनियर्स के लिए फेयरवेल पार्टी दी। उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपने सीनियर्स को विदाई देते हुए परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं। 12वीं के छात्र–छात्राओं का स्वागत उनके जूनियर्स ने पुष्पवर्षा तथा तिलक लगाकर किया। रंग–बिरंगे परिधानों से सजे–धजे छात्र–छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। छात्र–छात्राओं की प्रतिभा और प्रदर्शन के आधार पर विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं का चयन किया गया। कक्षा 11 के विद्यार्थियों ने जहां अपने सीनियर्स को उनकी रुचि एवं गरिमा के अनुरूप टाइटल प्रदान कर उपहार भेंट किए, वहीं सभी गुरुजनों ने अपने आशीर्वचनों के साथ विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सीनियर्स की विदाई बेला पर केक काटा गया। अंत में निर्णायकों ने रिद्धिमा चतुर्वेदी को मिस फेयरवेल तथा चिराग अभिलेश सिंह को मिस्टर फेयरवेल के खिताब से नवाजा। लालिमा अग्रवाल ने मिस पर्सनालिटी एवं कृष्णा अग्रवाल ने मिस्टर पर्सनालिटी का खिताब अपने नाम किया। इन्हें तात्कालिक बुद्धिमता के आधार पर ये खिताब दिए गए। विजेता विद्यार्थियों को ताज व पटका पहनाकर सम्मानित किया। बारहवीं कक्षा के छात्र–छात्राओं ने अध्ययनकाल में स्कूल प्रबंधन तथा गुरुजनों से मिली सीख और मार्गदर्शन की प्रशंसा की। संचालन युविका, दुष्यंत, यशिका, अंशिका ने किया। फेयरवेल पार्टी में शिक्षिका प्रिया गर्ग एवं शिक्षक सनी सोलंकी का विशेष योगदान रहा। आर.के. एज्यूकेशनल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने अपने संदेश में कहा कि विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। कहा कि निरंतर प्रयास, कठिन परिश्रम व अनुशासन के माध्यम से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने छात्र–छात्राओं को धैर्य, लगन व मेहनत से परीक्षा देने तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन का आशीष दिया। प्रबंध निदेशक मनोज अग्रवाल ने कहा कि बारहवीं कक्षा के बाद विद्यार्थी अलग–अलग विषयों की पढ़ाई करके अपने करियर को नया मुकाम देंगे। स्कूल की शैक्षिक संयोजिका प्रिया मदान ने 12वीं कक्षा के छात्र–छात्राओं को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता हासिल करने का आशीष दिया।

इन लोगों को भूल से भी नहीं करना चाहिए मखाने का सेवन

यूनिक समय, मथुरा। अगर आपको अक्सर गैस्ट्रिक समस्या रहती है तो ऐसे में मखाने को अवॉयड करना ही आपके लिए लाभदायक रहेगा। दरअसल, मखाने में फाइबर और प्रोटीन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। यह दोनों ऐसे पोषक तत्व है, जिन्हें पचाने में शरीर को अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती है।

जब हेल्दी फूड्स की बात होती है तो ऐसे में नट्स को डाइट में शामिल करने की सलाह दी जाती है। बादाम, काजू, पिस्ता, अखरोट के अलावा लोग मखाने को भी अपनी डाइट का हिस्सा बनाते हैं। इसे कई तरह से खाया जाता है, क्योंकि इसे हेल्थ के लिए काफी अच्छा माना जाता है। यह सच है कि मखाने में कई पोषक तत्व जैसे कैल्शियम, आयरन, कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन आदि मौजूद होता है। इसलिए, यह आपकी सेहत पर अपना सकारात्मक प्रभाव छोड़ता है। हालांकि, मखाने का सेवन हर किसी

के लिए लाभदायक हो, यह जरूरी नहीं है। कुछ ऐसे भी लोग होते हैं, जिनके लिए मखाने का सेवन करना हानिकारक साबित हो सकता है। मसलन, अगर आपको कोई गैस्ट्रिक समस्या है या फिर किडनी से जुड़ी कोई प्रॉब्लम है तो आपको मखाने खाने से परहेज करना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि किन लोगों के लिए मखाने का सेवन नुकसानदायक साबित हो सकता है।

अगर आपको अक्सर गैस्ट्रिक समस्या रहती है तो ऐसे में मखाने को अवॉयड करना ही आपके लिए लाभदायक रहेगा। दरअसल, मखाने में फाइबर और प्रोटीन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। यह दोनों ऐसे पोषक तत्व है, जिन्हें पचाने में शरीर को अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती है। इसलिए, अगर आपको पेट से जुड़ी समस्या है तो मखाने का सेवन करने से आपको ब्लोटिंग व गैस्ट्रिक प्रॉब्लम काफी बढ़ सकती है।

आज के समय में कई लोगों को किडनी स्टोन की समस्या होती है और इसकी कई वजहें होती हैं। लेकिन अगर आपको बॉडी में कैल्शियम की अधिकता की वजह से किडनी स्टोन की समस्या का सामना करना पड़ रहा है तो ऐसे में मखाने को अपनी डाइट से बाहर रखना अधिक अच्छा रहेगा। दरअसल, मखाने में फाइबर व प्रोटीन के अलावा कैल्शियम भी प्रचुर मात्रा में होता है। अगर आप मखाने को खाते हैं तो इससे बॉडी में कैल्शियम की मात्रा बढ़ जाएगी। जिससे आपके किडनी स्टोन का साइज बढ़ सकता है और यह आपके लिए परेशानी खड़ी करेगा।

दस्त है तो न खाएं मखाना

दस्त होने की स्थिति में भी मखाने का सेवन करना सेहत के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। दरअसल, मखाना एक फाइबर रिच फूड आइटम है और फाइबर का एक मुख्य काम बाउल मूवमेंट को बेहतर बनाना होता है। आमतौर पर, कब्ज होने पर बाउल मूवमेंट को स्मूद करने के लिए फाइबर रिच प्रोडक्ट खाने चाहिए, लेकिन अगर आपको दस्त हो रहे हैं तो ऐसे में मखाना खाने से आपकी समस्या कई गुना बढ़ सकती है।

रेसिपी : घर पर भी बना सकते हैं मार्केट वाला मैगी मसाला

प्रभा शर्मा

यूनिक समय, मथुरा। मैगी मसाला डाले बिना नूडल्स का स्वाद अधूरा है। लेकिन बाजार में मिलने वाला मैगी मसाला सेहत के लिए बहुत हानिकारक होता है। इससे ब्रेन से लेकर पूरे नर्वस सिस्टम पर बुरा प्रभाव पड़ता है। लेकिन आप इस मसाले को घर पर भी तैयार कर सकते हैं।

महाविद्या निवासी प्रभा कहती हैं कि मैंगी नूडल्स का असली स्वाद इसके मसाले में छिपा होता है। मैगी मसाला डाले बिना नूडल्स का स्वाद अधूरा है। लेकिन बाजार में मिलने वाला मैगी मसाला सेहत के लिए बहुत हानिकारक होता है। इससे ब्रेन से लेकर पूरे नर्वस सिस्टम पर बुरा प्रभाव पड़ता है। लेकिन आप इस मसाले को घर पर भी तैयार कर सकते हैं। आज हम आपको घर पर मैगी मसाला बनाने की विधि बताने जा रहे हैं –

मैगी मसाला बनाने की सामग्री

आधा छोटा चम्मच सौंठ, एक बड़ा चम्मच लहसुन पाउडर, एक छोटा चम्मच कॉर्नफलोर, एक बड़ा चम्मच प्याज पाउडर, एक बड़ा चम्मच धनिया पाउडर, एक चौथाई छोटा चम्मच मेथीदाना पाउडर, आधा छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, एक छोटा चम्मच जीरा पाउडर, एक चौथाई छोटा चम्मच हल्दी, आधा छोटा चम्मच अमचूर, एक छोटा चम्मच गरम मसाला, एक छोटा चम्मच नमक, आधा छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर, एक बड़ा चम्मच चीनी ।

मैगी मसाला बनाने की विधि

मैगी मसाला पाउडर बनाने के लिए सबसे पहले मीडियम आंच में एक पैन गर्म करें। अब इसमें सभी साबुत मसाले डालकर 4-5 मिनट तक आंच धीमी करके भून लें। फिर इन मसालों को एक प्लेट में निकाल कर ठंडा कर लें। जब मसाले ठंडे हो जाएं तो इन्हें मिक्सी में डालकर बारीक पीस लें। अब इसमें प्याज-लहसुन का पाउडर, कॉर्न फ्लोर, अमचूर, चीनी, सौंठ, हल्दी, चिली फ्लैक्स और नमक डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। इस मसाले को छलनी से छान लें। आपका बाजार में मिलने वाला मैगी मसाला पाउडर तैयार है। आप इसे एक कंटेनर में भरकर रखें। अब आप इस मसाले का प्रयोग सिर्फ मैगी ही नहीं, बल्कि अन्य तरह के नूडल्स, पास्ता व सब्जी आदि में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इस मसाले के प्रयोग से आपके व्यंजन का जायका तो बढ़ेगा ही, साथ ही यह किसी भी तरह की हानि नहीं पहुंचाएगा।

कॉकरोच और चींटियों को भगाने के लिए आजमाएं ये उपाय

यूनिक समय, मथुरा। किचन में आम जगहों की तुलना में ज़्यादा नमी होती है और रोशनी भी कम होती है। वैसे तो बाजार में कई कीटनाशक उपलब्ध हैं लेकिन कई बार इनमें मौजूद केमिकल से स्वास्थ्य

को नुकसान हो सकता है। ऐसे में आप कुछ घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल करके कीड़ों और चींटियों से छुटकारा पा सकते हैं।

आपने अक्सर देखा होगा कि किचन में छोटे-छोटे कीड़े, कॉकरोच या चीटियां लग जाती हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि किचन में आम जगहों की तुलना में ज़्यादा नमी होती है और रोशनी भी कम होती है। वैसे तो बाजार में कई कीटनाशक उपलब्ध हैं लेकिन कई बार इनमें मौजूद केमिकल से स्वास्थ्य को नुकसान हो सकता है। ऐसे में आप कुछ घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल करके कीड़ों और चींटियों से छुटकारा पा सकते हैं –

दालचीनी

आमतौर पर दालचीनी का सेवन खाने में मसाले के रूप में होता है। लेकिन आप दालचीनी का इस्तेमाल किचन में मौजूद कॉकरोच और अन्य कीड़ों को भगाने के लिए भी कर सकते हैं। इसकी तेज गंध से कीड़े और कॉकरोच किचन से दूर रहेंगे। इसके लिए किचन के चारों ओर ताज़ी पिसी हुई दालचीनी के पाउडर को छिड़क दें।

सिरका

आप किचन से छोटे कीड़ों और चींटियों को हटाने के लिए सिरके का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इसके लिए एक स्प्रे बॉटल में सिरका और पानी बराबर मात्रा में मिलाएं। इस घोल को पूरे किचन में स्प्रे करें। इससे किचन में कीड़े और चींटियाँ नहीं लगेंगी।

नीम: नीम के पत्तों का इस्तेमाल किचन से कीड़ों और चींटियों को दूर रखने का एक कारगर घरेलू नुस्खा है। इसके लिए, आप किचन में नीम की पत्तियों को रख दें या गुनगुने पानी में नीम का तेल मिलाकर रसोई में इसका छिड़काव करें।

बेकिंग सोडा और चीनी

यह घरेलू नुस्खा दादी नानी के जमाने से कीड़ों को दूर करने के लिए इस्तेमाल हो रहा है। इसके लिए बेकिंग पाउडर और शक्कर को बराबर मात्रा में मिला लें। इसे उन सभी जगहों पर छिड़क दें जहां पर कॉकरोच या कीड़े आते हैं।

पुदीना

पुदीना किचन से कीड़ों को भगाने के लिए आप पुदीने के पत्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सूखे पुदीने के पत्तों को किचन में रख दें। इसके अलावा आप मिंट एसेंशियल ऑयल का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

पैरेंटिंग टिप्स : थोंपें नहीं, समझें बच्चों की इच्छाएं

यूनिक समय, मथुरा। कई बार यह देखने को मिलता है कि पैरेंट्स अपनी पसंद, नापसंद बच्चों पर थोंपने लगते हैं। वे चाहते हैं कि बच्चे उनकी ही पसंद के कपड़े पहनें या फिर उनकी पसंद के सब्जैक्ट लें या करियर चुनें। अपनी इच्छाओं को मनवाने में पैरेंट्स इस कदर बच्चों पर हावी हो जाते हैं कि वह इस ओर ध्यान ही नहीं देते कि उनका बच्चा क्या चाहता है।

कुछ बच्चों पर इसका प्रभाव नहीं पड़ता लेकिन कुछ बच्चे ज्यादा सैंसेटिव होते हैं। अपनी इच्छाओं के विपरित चीजें करने से उन पर गलत प्रभाव पड़ने लगता है। वे या तो चिड़चिड़े हो जाते हैं या फिर चुप रहने लगते हैं। कभी-कभी वे विद्रोही और हिंसक रूप भी ले लेते हैं। इसलिए, जरूरी है कि माता-पिता बच्चों को समझें न कि अपनी पसंद थोंपें-माता-पिता को लगता है कि वे अपने बच्चे के करियर के लिए जो सोच रहे हैं वही उनके लिए बैस्ट है। पैरेंट्स यह जाने बिना कि बच्चा क्या चाहता है उसकी रुचि किस तरफ है। अपनी पसंद का करियर चूज करने के लिए उस पर प्रैशर बनाने लगते हैं, जो कि गलत है। आप भले ही बच्चे को सफल होता देखना चाहते हैं लेकिन यह जरूरी नहीं आपके द्वारा बताए करियर को चुनकर ही वह सफल होगा। बच्चे की रुची किसी और चीज में भी हो सकती है। उसे अपनी रुचि के मुताबिक करियर चुनने दें।

माता-पिता बच्चों के पथप्रदर्शक होते हैं। वह बचपन से ही बच्चों को सही और गलत की सीख देते हैं। उन्हें बताते हैं कि उन्हें कच्चे रास्तों पर किस तरह चलना है लेकिन चलने का काम बच्चे खुद करते हैं। ठीक इसी तरह करियर और जीवन के मामले में भी माता-पिता को बच्चों को निर्देशित करना चाहिए न कि उन्हें अपनी पसंद की चीजें करने के निर्देश देने चाहिएं। आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में माता-पिता के पास बच्चों के लिए उतना समय नहीं होता कि वे उनके साथ समय बिताएं। जरूरी है कि माता-पिता समय निकालकर बच्चों से उनकी पसंद और नपसंद पर बात करें। वह समझने की कोशिश करें कि उनका बच्चा क्या बनना चाहता है? उसके सपने क्या हैं?

बच्चे कितने भी बड़े क्यों न हो जाएं पैरेंट्स उन्हें बच्चे और नासमझ ही मानते हैं। उन्हें हमेशा लगता है कि वह अपने निर्णय खुद नहीं ले सकते हैं। अपनी इस सोच को बदलें। बचपन से ही छोटी-छोटी चीजों के निर्णय बच्चों को खुद लेने की आदत डालें।

रात को सोने से पहले पीएं यह ड्रिंक, आएगी अच्छी नींद

विनीता

यूनिक समय, मथुरा। कुछ लोग देर रात तक नींद ना आने के कारण परेशान रहते हैं और फिर कभी-कभी तो नींद की गोली का भी सेवन करते हैं। लेकिन इससे अच्छा है कि आप कुछ नेचुरल उपाय अपनाएं। मसलन, आप रात में कुछ ऐसी ड्रिंक्स ले सकते हैं, जो आपको एक अच्छी नींद दिलाने में मददगार साबित हो सकते हैं।

आज के समय में अधिकतर लोग रात में नींद ना आने की समस्या से परेशान रहते हैं।

दरअसल, खान-पान से लेकर वर्क लोड, स्क्रीन टाइम और खराब लाइफस्टाइल ऐसी कई चीजें हैं, जिसने नींद पर अपना विपरीत प्रभाव डाला है।

कुछ लोग देर रात तक नींद ना आने के कारण परेशान रहते हैं और फिर कभी-कभी तो नींद की गोली का भी सेवन करते हैं। लेकिन इससे अच्छा

है कि आप कुछ नेचुरल उपाय अपनाएं। मसलन, आप रात में कुछ ऐसी ड्रिंक्स ले सकते हैं, जो आपको एक अच्छी नींद दिलाने में मददगार साबित हो सकते हैं। तो चलिए कृष्णा नगर निवासी विनीता आपको कुछ ऐसे ही ड्रिंक्स के बारे में बता रही है....

बादाम का दूध कैसे बनाएं

सबसे पहले एक कटोरी में आधा कप बादाम को कम से कम 4 घंटे के लिए भिगो दें।

अब पानी को निथार कर मिक्सर जार में डाल दें। 1 खजूर, 1 छोटा चम्मच वेनिला अर्क, एक चौथाई छोटा चम्मच नमक और 2 कप पानी डालें। चिकना पेस्ट बनाने के लिए मिलाएं। अब बादाम से दूध निचोड़ कर दूध निकाल लें। अंत में, सोने से पहले बादाम के दूध का आनंद लें क्योंकि यह अच्छी नींद दिलाने में मददगार होता है।

कैसे बनाएं केले की चाय

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में 3 कप पानी, 1 केला, 1/2 इंच दालचीनी और 3 इलायची की फली लें। केले के किनारों को काटना सुनिश्चित करें। 5 मिनट तक या केले के नरम होने तक और फ्लेवर आने तक उबालें। अंत में, सोने से पहले केले की चाय का आनंद लें क्योंकि यह एक रिलैक्सिंग चाय के रूप में काम करती है।

जायफल की चाय बनाने का तरीका

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में 3 कप पानी लें। आधा छोटा चम्मच जयफल, 2 इंच दालचीनी और 3 इलायची को कद्दूकस कर लीजिए। 5 मिनट के लिए इसे उबालें। अंत में, छान लें और जायफल की चाय का आनंद लें।

सम्पादकीय

शव के बंटवारे की मांग नैतिक पतन की पराकाष्ठा

बदलते सामाजिक परिवेश में यों तो रिश्तों को तार–तार करती खबरें आए दिन सामने आती रहती हैं। ऐसा इसलिए भी है कि भौतिकवादी दौर में व्यक्ति स्वार्थी होता जा रहा है। लेकिन मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ में अपने पिता के शव का आधा हिस्सा मांग लेने की घटना समूची मानवता को झकझोरने वाली है। ऐसी खबर जो किसी के इंसान होने पर भी सवाल खड़े करती है। खून के रिश्तों में आई ऐसी कड़वाहट जिसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता। टीकमगढ़ में पिता की मौत पर दो भाइयों ने ऐसा रूप दिखाया कि गमी में आए बुजुर्गों तक के चेहरों पर हवाइयां तैर गईं। दोनों में पिता के अंतिम संस्कार को लेकर विवाद इस हद तक पहुंच गया कि बड़े ने शव के दो हिस्से करने की मांग उठा दी।

पवन गौतम
संपादक

पारिवारिक विवादों की वजहें आमतौर पर एक जैसी होती हैं। कहीं संपत्ति के बंटवारे को लेकर विवाद तो कहीं ईर्ष्या का भाव। आपस की ये लड़ाई किसी भी घर की दीवारों को कमजोर करने को काफी है। पुलिस के दखल से शव का बंटवारा किए बिना अंतिम संस्कार तो हो गया लेकिन यह घटना सैंकड़ों सवालों को पीछे छोड़ गई है। सबसे बड़ा सवाल तो यही कि संस्कारों में गिरावट का यह कौन सा दौर है? क्या कोई अपने जन्मदाता को लेकर ऐसी सोच रख सकता है? खून के रिश्तों में आखिर इतनी कड़वाहट कैसे हो सकती? कोई बेटा अपने पिता के शव के दो टुकड़े करने की बात कैसे कह सकता है? पिता की मृत देह के सामने हक की मांग का ऐसा तांडव तो बेहद शर्मसार करने वाला ही है। नैतिक मूल्यों में आई गिरावट का दौर किसी से छिपा नहीं है। आपसी विवाद में खून के रिश्ते भी एक दूसरे के खून के प्यासे होने लगे हैं। संस्कारों में आती जा रही गिरावट इसकी सबसे बड़ी वजह है। पिछले वर्षों में हमारे यहां संयुक्त परिवार जैसी संस्था को जिस तरह से नुकसान हुआ है वह भी सबके सामने है। बार–बार यह कहा जाता रहा है कि भारतीयों की सबसे बड़ी ताकत संयुक्त परिवार है। संयुक्त परिवार, आपदा के हर मौके पर न केवल परिवार के सदस्यों बल्कि अपने दूसरे प्रियजनों की भी ढाल बनकर सामने आते रहे हैं। लेकिन एकल परिवारों ने रिश्तों में कटुता लाने का काम भी खूब किया है, इसमें संशय नहीं।

बात–बात में माता–पिता का तिरस्कार, उन्हें वृद्धाश्रम भेजने और यहां तक कि उनसे मारपीट के मामले नैतिक मूल्यों में आती जा रही गिरावट के प्रतीक हैं। लेकिन टीकमगढ़ की यह घटना तो जैसे अमानवीयता की तमाम सीमाएं लांघने वाली है। ये गंभीर चिंतन का विषय भी है। परिवारों के लिए बड़ी सीख यही है कि आपसी विवाद घर की दहलीज पर ही खत्म करना जरूरी है।

नजरिया

भारत में आर्थिक विकास दर को 8 प्रतिशत से ऊपर ले जाने के हो रहे हैं प्रयास

प्रहलाद सबनानी

अभी हाल ही में केंद्र सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन ने लोक सभा में वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए केंद्रीय बजट पेश किया है। इस बजट के माध्यम से ऐसे कई निर्णय लिए गए हैं जिससे देश की आर्थिक विकास दर पुनः एक बार 8 प्रतिशत से ऊपर निकल जाए।

विश्व के कुछ देशों में सत्ता परिवर्तन के बाद आर्थिक क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन होते हुए दिखाई दे रहे हैं। विशेष रूप से अमेरिका में राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प विभिन्न देशों को लगातार धमकी दे रहे हैं कि वे इन देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर कर की दर में वृद्धि कर देंगे। दिनांक 4 फरवरी 2025 से कनाडा एवं मेक्सिको से अमेरिका में होने वाले उत्पादों के आयात पर 20 प्रतिशत एवं चीन से होने वाले आयात पर 10 प्रतिशत का आयात कर लगा दिया है। वैश्विक स्तर पर उक्त प्रकार की उथल पुथल के अतिरिक्त रूस यूक्रेन युद्ध जारी ही है एवं कुछ समय पूर्व तक हमास इजराईल युद्ध भी चलता ही रहा था। वैश्विक स्तर पर उक्त विपरीत परिस्थितियों के बीच भी भारत, अपनी आर्थिक विकास दर को कायम रखते हुए, विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। हां, वित्तीय वर्ष 2024–25 की प्रथम दो तिमाहियों में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर गिरकर 5.2 प्रतिशत एवं 5.3 प्रतिशत क्रमशः के आसपास रही है। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो आगे आने वाले दो दशकों तक आर्थिक विकास दर को 8 प्रतिशत से ऊपर रखना आवश्यक होगा। अतः केंद्र सरकार द्वारा भारत की आर्थिक विकास दर को इस वित्तीय वर्ष की दो तिमाहियों में दर्ज की गई लगभग 5.3 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर को 8 प्रतिशत से ऊपर ले जाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

अभी हाल ही में केंद्र सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन ने लोक सभा में वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए केंद्रीय बजट पेश किया है। इस बजट के माध्यम से ऐसे कई निर्णय लिए गए हैं जिससे देश की आर्थिक विकास दर पुनः एक बार 8 प्रतिशत से ऊपर निकल जाए। दरअसल, आज देश में उत्पादों की मांग को बढ़ाना अति आवश्यक है जो पिछले कुछ समय से लगातार कम होती दिखाई दे रही है। इसके लिए आम नागरिकों के हाथों में अधिक धनराशि उपलब्ध रहे, ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं। जैसे, आयकर की सीमा को वर्तमान में लागू सीमा 7 लाख रुपए प्रतिवर्ष से बढ़ाकर वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए 12 लाख रुपए प्रतिवर्ष कर दिया गया है। साथ ही, आय पर लगने वाले कर की दर को भी बहुत कम कर दिया गया है। इस प्रकार लगभग 1 करोड़ मध्यमवर्गीय करदाताओं को लगभग 1.10 लाख रुपए तक प्रतिवर्ष का अधिकतम लाभ होने जा रहा है। इस राशि से विभिन्न उत्पादों का उपभोग बढ़ेगा एवं देश की आर्थिक विकास दर में तेजी दिखाई देगी। हालांकि इससे केंद्र सरकार के बजट पर एक लाख करोड़ रुपए का भार पड़ेगा। परंतु, फिर भी बजटीय घाटा वित्तीय वर्ष 2024–25 में 5.8 प्रतिशत से घटकर वित्तीय वर्ष 2025–26 में 5.4 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। अतः देश की वित्तीय स्थिति को सही दिशा दिए जाने के सफल प्रयास हो रहे हैं।

विनिर्माण के क्षेत्र को गति देना भी आज की आवश्यकता है। राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन भी चलाए जाने का प्रस्ताव है। आज देश में एक करोड़ से अधिक सूक्ष्म, मध्यम एवं लघु उद्योग हैं जो 7.5 करोड़ नागरिकों को रोजगार उपलब्ध कर रहे हैं एवं भारत के कुल उत्पादन में 36 प्रतिशत का योगदान दे रहे हैं तथा देश से होने वाले विभिन्न उत्पादों के निय्रात में भी 45 प्रतिशत की भागीदारी इन उद्योगों की रहती हैं। कुल मिलाकर भारत आज अपनी इन कम्पनियों को वैश्विक स्तर पर ले जाना चाहता है। भारत में आज निर्यात प्रोत्साहन

मिशन को चालू किया जा रहा है ताकि भारत की कम्पनियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिले। इसी प्रकार भारत को वैश्विक स्तर पर खिलौना उत्पादन के केंद्र के रूप में विकसित किये जाने के प्रयास भी किये जा रहे हैं। केवल एक दशक पूर्व भारत में खिलौनों का शुद्ध आयात होता था आज भारत खिलौनों का शुद्ध निर्यातक देश बन गया है। पिछले 10 वर्षों में भारत में खिलौनों के निर्यात में 200 प्रतिशत की वृद्धि एवं खिलौनों के आयात में 52 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है। भारत ने 15 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि के खिलौनों का निर्यात किया है।भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन क्षेत्र का योगदान लगभग 5 प्रतिशत है। विशेष रूप से वाराणसी, श्री अयोध्या धाम, उज्जैन एवं महाकुम्भ, प्रयागराज में पर्यटकों के लिए विकसित की गई आधारभूत सुविधाओं के बाद इन सभी शहरों की पहचान धार्मिक पर्यटन के केंद्र के रूप में पूरे विश्व में कायम हुई है। आज आध्यात्म की ओर पूरा विश्व ही आकर्षित हो रहा है अतः भारत में अन्य धार्मिक केंद्रों को भी इसी तर्ज पर विकसित किया जाना चाहिए जिससे विभिन्न देशों के नागरिक भी इन धार्मिक स्थलों पर आ सकें एवं जिससे देश के धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। वित्तीय वर्ष 2025–26 के बजट में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए 2,541 करोड़ रुपए की राशि का आवंटन किया गया है जबकि वित्तीय वर्ष 2024–25 में 850 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गई थी। भारतीय पर्यटन उद्योग का आकार 25,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है, जो कि बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। उत्तर पूर्व के राज्यों से लेकर जम्मू एवं कश्मीर तक 50 नए पर्यटन केंद्र विकसित किए जा रहे हैं। यह ऐसे पुराने पर्यटन केंद्र हैं जिनकी पहचान कहीं खो गई है। अब इन पर्यटन केंद्रों पर आधारभूत सुविधाओं को विकसित किये जाने की योजना बनाई जा रही है। इन केंद्रो पर पहुंच को आसान बनाने के उद्देश्य से यातायात के साधनों का विकास किया जाएगा, सर्वसुविधा सम्पन्न होटलों का निर्माण किया जाएगा एवं इन स्थलों पर अन्य प्रकार की समस्त सुविधाएं पर्यटकों को उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही, भारत में मेडिकल पर्यटन को भी बढ़ावा दिया जा सकता है क्योंकि विकसित देशों की तुलना में भारत में विभिन्न बीमारियों का उच्चस्तरीय इलाज बहुत ही सस्ते दामों पर उपलब्ध है। और फिर, भारतीय नागरिकों के डीएनए में ही सेवा भावना भरी हुई है, अतः इन देशों के नागरिकों को भारत में इलाज कराने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। वैश्विक स्तर पर मेडिकल पर्यटन का आकार 13,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। अतः भारत में मेडिकल पर्यटन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इससे पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित किए जा सकते हैं।

इसी प्रकार भारत में सुरक्षा के क्षेत्र में भी अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। भारत अभी तक अपनी सुरक्षा सम्बंधी आवश्यकताओं के लिए सुरक्षा उपकरणों का बड़ी मात्रा में आयात करता रहा है। परंतु, पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षा के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान का स्पष्ट असर अब दिखाई देने लगा है और भारत आज मिसाईल सहित कई सुरक्षा उपकरणों का निर्यात करने लगा है। वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए केंद्र सरकार के बजट में सुरक्षा क्षेत्र के लिए 4.92 लाख करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि का आवंटन किया गया है, साथ ही, पूंजीगत खर्चों में भी सुरक्षा क्षेत्र के लिए 2 लाख करोड़ रुपए के बजट का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है। इसी प्रकार, देश में अधोसंरचना को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से पूंजीगत खर्चों को भी 11.20 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर रखा गया है। साथ ही, सरकारी उपक्रमों एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियां भी अपने पूंजी निवेश को बढ़ाने का प्रयास यदि करती हैं एवं विदेशी कम्पनियों द्वारा किए जाने वाले विदेशी निवेश को मिलाकर पूंजीगत मदों पर खर्चे को 15 लाख करोड़ रुपए की राशि तक ले जाया जा सकता है। इसके लिए देश में ईज आफ डूइंग बिजनेस को अधिक आसान बनाना होगा एवं पुराने कानूनों को हटाकर उद्योग मित्र कानून बनाए जाने की आवश्यकता है।

चूंकि विश्व के कई देशों, विशेष रूप से विकसित देशों, में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या लगातार बढ़ रही है अतः इन देशों में युवाओं की संख्या में कमी के चलते विभिन्न संस्थानों में कार्य करने वाले नागरिकों की कमी हो रही है। अतः भारत को पूरे विश्व में कौशल से परिपूर्ण युवाओं के केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। जापान, ताईवान, इजराईल, वियतनाम सहित कई विकसित देशों ने तो भारत से कौशल से परिपूर्ण इंजनीयर्स, डॉक्टर एवं नर्सों की मांग भी की है। आज भारत पूरे विश्व को ही कौशल से परिपूर्ण युवाओं को उपलब्ध कराने की क्षमता रखता है। साथ ही, देश में रोजगार के अधिकतम अवसर निर्मित हों, इसके प्रयास भी किए जा रहे हैं। विशेष रूप से रोजगार उन्मुख क्षेत्रों, यथा, कृषि, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (टेक्स्टायल उद्योग, फुटवियर उद्योग, खिलौना उद्योग, पर्यटन उद्योग, आदि सहित) एवं सेवा क्षेत्र पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही, स्टार्ट अप को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 10,000 करोड़ रुपए का विशेष फंड बनाया गया है ताकि स्टार्ट अप को भारत में सफल बनाया जा सके। देश में स्टार्ट अप के माध्यम से भी लाखों नए रोजगार निर्मित हो रहे हैं। इस फंड में केंद्र सरकार एवं निजी क्षेत्र ने मिलकर भागीदारी की है। अभी तक 1,100 से अधिक स्टार्ट अप ने इस फंड का लाभ उठाया है। इसी प्रकार, केंद्र सरकार चाहती है कि वैश्विक स्तर पर भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स (एआई) का केंद्र बने। एआई के क्षेत्र में भारतीय इंजीनियरों में कौशल विकास के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए 500 करोड़ रुपए की राशि उपलब्ध कराई जा रही है एवं इस सम्बंध में 13 नए कौशल विकास केंद्रों की स्थापना भी की जा रही है।

देश में हाल ही के समय में सरकारी कम्पनियों की कार्यप्रणाली में बहुत सुधार हुआ है एवं अब इन कम्पनियों की लाभप्रदता में अतुलनीय सुधार दिखाई दिया है और आज यह कपनियां केंद्र सरकार को लाभांश की मद में भारी भरकम राशि प्रदान करने लगी हैं। वरना, एक समय था जब प्रतिवर्ष केंद्र सरकार को इन कम्पनियों को चलायमान रखने के उद्देश्य से भारी भरकम राशि का निवेश करना होता था। वित्तीय वर्ष 2025–26 में भारतीय रिजर्व बैंक सहित केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों द्वारा केंद्र सरकार को 2.56 लाख करोड़ रुपए की राशि का लाभांश प्रदान करने की सम्भावना व्यक्त की गई है। इसी प्रकार, केंद्र सरकार के कई उपक्रमों द्वारा अपनी संपतियों का मौद्रीकरण किया जा रहा है। केंद्र सरकार के इन उपक्रमों द्वारा लगभग 6 लाख करोड़ रुपए की राशि का मौद्रीकरण किया गया है। वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए विनिवेश के लक्ष्य को भी बढ़ाकर 47,000 करोड़ रुपए किया गया है जो वर्ष 2024–25 के लिए संशोधित अनुमान के अनुसार 33,000 करोड़ रुपए का था।

विचार–विंडो

राहुल गांधी की देश–विरोधी बचकानी राजनीति

ललित गर्ग

राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं और उन्होंने अन्य सांसदों की ही तरह देश की अखंडता और एकता की रक्षा करने की शपथ ली थी, लेकिन उनके द्वारा समय–समय पर दिये गये वक्तव्य एवं टिप्पणियां पूरी तरह से राष्ट्र विरोधी है।

एक बार फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को नीचा दिखाने के इरादे से ऐसा बयान दिया है जो भारत की साख को आघात लगाने वाला है बल्कि देश की एकता एवं अखण्डता को ध्वस्त करने वाला है। राहुल गांधी किस तरह गैर जिम्मेदाराना बयान देने में माहिर हो गए हैं, यह इस कथन से फिर सिद्ध हुआ कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर इसलिए बार–बार अमेरिका जा रहे थे, ताकि भारतीय प्रधानमंत्री को डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में बुलाया जाए। राहुल गांधी मोदी–विरोध में कुछ भी बोले, यह राजनीति का हिस्सा हो सकता है, लेकिन वे मोदी विरोध के चलते देश–विरोध में जिस तरह के अनाप–शनाप दावे करते हुए गलत बयान देते हैं, वह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता एवं बचकानेपन को ही दर्शाता है। आखिर कब राहुल एक जिम्मेदार एवं विवेकवान प्रतिपक्ष के नेता बनेंगे?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से राजनीति से हटकर भी गहरे व्यक्तिगत आत्मीय मित्रवत संबंध है, इसलिये उनका शपथ ग्रहण समारोह में बुलाने पर किसी तरह का संदेह नहीं हो सकता। लेकिन इस बात को लेकर राहुल के बयान पर हैरानी होना स्वाभाविक है। यही कारण है कि लोकसभा में संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने राहुल गांधी की इस विचित्र बात पर आपत्ति जताई, बल्कि विदेश मंत्री जयशंकर ने भी नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि वह ऐसी बात कहकर भारत की छवि खराब करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी के झूठ का उद्देश्य राजनीतिक हो सकता है, लेकिन ऐसे झूठे, भ्रामक एवं गुमराह करने वाले बयान से भारत की छवि को गहरा नुकसान हुआ है। यह तय है कि विदेशी मंत्री के प्रतिवाद का राहुल गांधी की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। ऐसी मिथ्या बातें करके वे प्रधानमंत्री पर हमला करने का कोई अवसर नहीं चुकते। वह प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी को कोई महत्व नहीं देते। आखिर यह किसी से छिपा नहीं कि वह उनके खिलाफ तू–तड़ाक वाली अशालीन एवं अमर्यादित भाषा का उपयोग करते रहे हैं। विडंबना यह है कि इस आदत का परित्याग वह नेता प्रतिपक्ष का पद हासिल करने के बाद भी नहीं कर पा रहे हैं। समस्या केवल यह नहीं कि वह प्रधानमंत्री पद की गरिमा की परवाह नहीं करते। समस्या यह भी है कि वह प्रायः ऐसी बचकानी बातें कर जाते हैं, जो राष्ट्रीय हितों के प्रतिकूल होती हैं या दूसरे देशों से संबंधों पर बुरा असर डालती हैं।

राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं और उन्होंने अन्य सांसदों की ही तरह देश की अखंडता और एकता की रक्षा करने की शपथ ली थी, लेकिन उनके द्वारा समय–समय पर दिये गये वक्तव्य एवं टिप्पणियां पूरी तरह से राष्ट्र विरोधी है। ऐसा लगता है कि राहुल गांधी भारत विरोधी अलगाववादी समूह के नेता बनने की राह पर अग्रसर हैं और उनका इरादा भारत की एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव को नष्ट करना और देश को गृहयुद्ध की ओर धकेलना है। इस तरह राहुल गांधी द्वारा देश में विभाजन के बीज बोने के प्रयास निंदनीय ही नहीं, घोर चिन्तनीय है। सत्ता के लालच में कांग्रेस एवं उनके नेता देश की अखंडता के साथ समझौता और आम आदमी के भरोसे को तोड़ने से बाज नहीं आ रहे हैं। राहुल के बयानों से ऐसा प्रतीत होता है कि उनकी लड़ाई सिर्फ भाजपा और आरएसएस से नहीं, बल्कि भारत से है। राहुल गांधी अक्सर भारत राष्ट्र अर्थात भारत के संविधान यानी आंबेडकर के संविधान के खिलाफ विषवमन करते दिखाई देते हैं। गांधी परिवार की 'मुंह में राम और बगल में छुरी' वाली कहावत जनता के सामने बार–बार आती रही है। आंबेडकर के अस्तित्व को नकार कर भारत के संविधान को बदलने के बाद गांधी परिवार देश का विभाजन, दुश्मन देश के नेताओं एवं शक्तियों के सपनों का टुकड़ों वाला भारत चाहता है। आखिर राहुल गांधी और कांग्रेसी किस बात के लिए संविधान की प्रति लेकर चलते हैं? इस तरह एक गैर जिम्मेदार और बचकाने नेता का लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष होना क्या देश का दुर्भाग्य नहीं है? राहुल गांधी को गंभीर आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है।

राहुल गांधी अपने आधे–अधूरे, तथ्यहीन एवं विध्वंसात्मक बयानों को लेकर निरन्तर चर्चा में रहते हैं। उनके बयान हास्यास्पद होने के साथ उद्देश्यहीन एवं उच्छृंखल भी होते हैं। राहुल ने पहले भी बातों–बातों में यह कहा था कि चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है। वह देश के प्रमुख विपक्षी दल के नेता हैं। सरकार की नीतियों से नाराज होना, सरकार के कदमों पर सवाल उठाना उनके लिए जरूरी है। राजनीतिक रूप से यह उनका कर्तव्य भी है। लेकिन चीन के साथ उनकी सहानुभूति अनेक प्रश्नों को खड़ा करती है। ऐसे ही सवालों में आज तक इस सवाल का जवाब भी नहीं मिला कि आखिर राजीव गांधी फाउंडेशन को चीनी दूतावास से चंदा लेने की जरूरत क्यों पड़ी? वह यह नहीं बताते कि 2008 में अपनी बीजिंग यात्रा के दौरान सोनिया गांधी और उन्होंने कम्युनिस्ट पार्टी से समझौता क्यों किया था? इतना ही नहीं, जब राहुल गांधी राफेल विमान सौदे में कथित दलाली खोज लाए थे, तो यहां तक कह गए थे कि खुद फ्रांस के राष्ट्रपति ने उन्हें बताया था कि दोनों देशों में ऐसा कोई समझौता नहीं, जो राफेल विमान की कीमत बताने से रोकता हो। उनके इस झूठ का खंडन फ्रांस की सरकार को करना पड़ा था। डोकलाम विवाद के समय वह भारतीय विदेश मंत्रालय को सूचित किए बिना किस तरह चीनी राजदूत से मुलाकात करने चले गए थे। जब इस मुलाकात की बात सार्वजनिक हो गई तो उन्होंने यह विचित्र दावा किया कि वह वस्तुस्थिति जानने के लिए चीनी राजदूत से मिले थे। क्या इससे अधिक गैरजिम्मेदाराना हरकत और कोई हो सकती है?

राहुल गांधी के गैरजिम्मेदाराना बयानों से यही पता चलता है कि उन्हें न तो प्रधानमंत्री की बातों पर यकीन है, न रक्षा मंत्री की और न ही विदेश मंत्री की। यह भी स्पष्ट है कि उन्हें शीर्ष सैन्य अधिकारियों पर भी भरोसा नहीं। ध्यान रहे, वह सर्जिकल और एयर स्ट्राइक पर भी बतूके सवाल खड़े कर चुके हैं। उनकी कार्यशैली एवं बयानबाजी में अभी भी बचकानापन एवं गैरजिम्मेदाराना भाव ही झलकता है। लगता है कांग्रेस के शीर्ष नेता एवं प्रतिपक्ष के नेता होने के कारण वे अहंकार के शिखर पर चढ़ बैठे हैं, निश्चित ही राहुल के विष–बुझे बयान इसी राजनीतिक अहंकार से उपजे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि भारत के सबसे बड़े दुश्मन राष्ट्र की वे तरफदारी करते एवं चीन के एजेंडे को बल देते नजर आते हैं। उनका यह रवैया नया नहीं, लेकिन यह देश के लिये घातक है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद–370 हटाए जाने के मोदी सरकार के फैसले की राहुल गांधी की अनावश्यक आलोचना को पाकिस्तान ने अपने पक्ष में भुनाने का काम किया था। अब भी वह सीमा विवाद पर चीन की बातों को अहमियत देते हैं और भारत सरकार की जानकारी पर यकीन नहीं करते। जनता यह गहराई से देख रही है कि राहुल किस तरह गलवान में हमारे सैनिकों की वीरता–शौर्य–बलिदान पर सवाल उठाते रहे हैं, भारत की बढ़ती साख, सुरक्षा एवं विकास की तस्वीर को बट्टा लगा रहे है। यह समझ आता है कि वह घरेलू मुद्दों पर सरकार को घेरें और उसकी आलोचना करें, लेकिन कम से कम ऐसी निराधार और मनगढ़ंत बातें तो न करें, जिससे प्रधानमंत्री पद का उपहास उड़े, देश हित आहत हो।उल्लेखनीय बात यह है कि निन्दक एवं आलोचक कांग्रेस को सब कुछ गलत ही गलत दिखाई दे रहा है। मोदी एवं भाजपा में कहीं आहट भी हो जाती है तो कांग्रेस में भूकम्प–सा आ जाता है। मजे की बात तो यह है कि इन कांग्रेसी नेताओं को मोदी सरकार की एक भी विशेषता दिखाई नहीं देती, कितने ही कीर्तिमान स्थापित हुए हो, कितने ही आयाम उद्घाटित हुए हो, कितना ही देश को दुश्मनों से बचाया हो, कितनी ही सीमाओं एवं भारत भूमि की रक्षा की हो, कितना ही आतंकवाद पर नियंत्रण बनाया हो, कितनी ही देश के तरक्की की नई इबारतें लिखी गयी हो, समूची दुनिया भारत की प्रशंसा कर रही हो, लेकिन इन राहुल एवं कांग्रेसी नेताओं को सब काला ही काला दिखाई दे रहा है। कमियों को देखने के लिये सहस्त्राक्ष बनने वाले राहुल अच्छाई को देखने के लिये एकाक्ष भी नहीं बन सके हैं?

सुविचार

अगर आप जिंदगी में कुछ हासिल करना चाहते हो तो मेहनत से दोस्ती कर लो।

कल का पंचांग

तिथि नवमी	12:35-10:53 तक	पक्ष	शुक्ल
नक्षत्र कृत्तिका	08:33-07:29 तक	माह	माघ
सूर्योदय	7:06 AM	चन्द्रोदय	12:04 AM
सूर्यास्त	5:59 PM	चंद्रास्त	02:32 PM
सूर्य राशि	मकर राशि	चंद्र	वृषभ राशि
शुभ मुहूर्त अभिजीत	12:11 PM -12:54 PM	ब्रह्म मुहूर्त	05:36-06:24
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2081
राहुकाल	01:54PM-03:16PM	वार	गुरुवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

अशोक के पेड़ की जड़ का ऐसे करें उपाय

बरसेगी मां लक्ष्मी की कृपा

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में कई पेड़-पौधों का जिक्र मिलता है, जिनका पूजा-पाठ में इस्तेमाल किया जाता है। इन पेड़ों का धार्मिक महत्व भी बहुत होता है। इन्हीं पेड़ों में से एक पेड़ अशोक का है। बता दें कि कई जगहों पर अशोक के पेड़ की पूजा भी की जाती है। वहीं अशोक के पेड़ों की पत्तियों का इस्तेमाल पूजा-अर्चना में किया जाता है। अक्सर आपने भी घरों के आसपास अशोक के पेड़ देखे होंगे। रामायण में एक उल्लेख मिलता है कि माता सीता का हरण कर लंकापति रावण उन्हें अशोक वाटिका में ले गया था। अशोक वाटिका में माता सीता अशोक के पेड़ के नीचे बैठकर भगवान राम से मिलने के लिए प्रार्थना करती थीं। मान्यता के अनुसार इसी पेड़ के नीचे बैठकर प्रार्थना करने से माता सीता के सभी दुख दूर हो गए थे। इसलिए अशोक के पेड़ के नीचे

बैठकर पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति को सकारात्मक परिणाम मिलते हैं। अगर आपको बार-बार धन संबंधी समस्या का सामना करना पड़ रहा है और आप आर्थिक समस्या से घिरे रहते हैं। तो अशोक के पेड़ की जड़ से आप इस समस्या से निजात पा सकते हैं। इसके लिए अशोक के पेड़ की जड़ घर पर लाकर अपने घर या दुकान में तिजोरी के अंदर रखें। ऐसा करने से आपकी पैसों संबंधी कई समस्याओं का समाधान हो सकता है। अगर आपका दांपत्य जीवन सुखमय नहीं है, अगर बार-बार पति-पत्नी के बीच विवाद होता है। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप अशोक के पेड़ के 7 पत्ते अपने घर के मंदिर में रखें। इसके बाद जब वह पत्ते सूखने लगें। तो इन्हें पेड़ की जड़ में डालते रहें और नए पत्तों को मंदिर में रखें। इस उपाय को करने से पति-पत्नी के बीच मधुर संबंध रहते हैं और घर में खुशहाली आती है। अशोक के पत्तों के वंदनवार को बेहद शुभ माना जाता है। किसी भी शुभ मांगलिक कार्यक्रम या त्योहार आदि पर अशोक के पत्तों को घर के मुख्य द्वार पर लगाया जाता है। ऐसा करने से कोई भी कार्य बिना किसी बाधा के दूर होती है। अशोक के पत्तों को दरवाजे पर इस तरह से लगाना चाहिए, जिससे कि आते-जाते समय यह लोगों के सिर पर स्पर्श करें। इससे घर में सुख-समृद्धि का वास होता है और सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

अगर आप भी मां लक्ष्मी को प्रसन्न करना व उनकी कृपा प्राप्त करना चाहते हैं। तो अशोक के पेड़ को अपने घर में लगाएं और उसमें रोजाना जल चढ़ाएं।

इस पेड़ में जल चढ़ाने के दौरान लक्ष्मी मंत्रों का जाप करते रहें। अगर आपके घर के बाहर पेड़ लगाने की जगह नहीं है तो आप इसे गमले में भी लगा सकते है। इससे मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है।

सफलता के लिए अपनाएं ये फेंगशुई टिप्स

यूनिक समय, मथुरा। घर में वास्तु के अनुसार, चीजें रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। इस शास्त्र की मानें तो घर में रखी हर चीज की एक ऊर्जा होती है जो घर के सदस्यों पर नेगेटिव या पॉजिटिव असर डालती हैं। वास्तु के जैसे फेंगशुई शास्त्र भी चीनी का शास्त्र माना जाता है जो दो शब्दों को मिलाकर बना है फेंग यानी की हवा और शुई यानि की जल। ऐसे में यह शास्त्र वायु और जल पर आधारित है। फेंगशुई शास्त्र में कुछ चीजें बताई गई हैं जिन्हें घर में रखने से सुख-समृद्धि आती है। फेंगशुई शास्त्र में घोड़े को तरक्की और सुख-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। यदि आप घर के सदस्यों या फिर नौकरी व्यापार में तरक्की चाहते हैं तो घर में घोड़े की तस्वीर या फिर मूर्ति रख सकते हैं। इस शास्त्र के अनुसार, घर का वास्तु दोष दूर करने के लिए धातु का कछुआ बहुत ही शुभ माना जाता है। घर में इसे रखने से कई तरह की बीमारियों और दुश्मनों पर जीत मिलती है। धन में बढ़ोत्तरी करने के लिए आप धातु से बना कछुआ लेकर उसे पानी भरे बर्तन में डालकर उत्तर दिशा में रख दें। वास्तु दोष, मानसिक परेशानी या फिर आर्थिक दिक्कतें दूर करने के लिए आप घर में लॉफिंग बुद्धा रख सकते हैं। घर में लाफिंग बुद्धा रखने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है और किसी भी तरह की परेशानी दूर होती है। घर में लटकती हुई घंटी रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, घर में खुशनुमा वातावरण रखने के लिए आप इसे खिड़की के पास टांग दें। मान्यताओं के अनुसार, इससे घर में पॉजिटिव एनर्जी आती है और घर का माहौल अच्छा रहता है। बांस का पौधा घर में रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। फेंगशुई शास्त्र में इसे सुख-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसको घर में रखने से परिवार के सदस्यों को अच्छी आयु और सेहत मिलती है। आप यह पौधा वहां पर लगाएं। जहां घर के सारे सदस्य रहते हों। बांस के पौधे को आप पूर्वी कोने में रख सकते हैं। यहां पर इसे रखना शुभ माना जाता है।

खाने के बाद ये गलती न करें नहीं तो उम्र भर बनें रहेंगे गरीब

यूनिक समय, मथुरा। धर्म ग्रंथों में हर काम से जुड़े नियम बताए गए हैं जिसमें सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक के कार्य शामिल हैं। हालांकि समय के साथ अब इन नियमों का पालन करने वाले कम ही लोग रह गए हैं। ग्रंथों में भोजन से जुड़ी भी कई बातें बताई गई हैं। इनमें से कुछ नियम की अनदेखी हमसे रोज अनजाने में हो जाती है, जो हमारी गरीबी की कारण भी बन सकती है।

भोजन के बाद न करें ये गलती

देखने में आता है कि अधिकांश लोग जिस थाली में भोजन करते हैं, उसी में हाथ भी धो लेते हैं। ऐसा करना भोजन के नियमों के विपरीत है। ऐसा करने से न सिर्फ भोजन का अपमान होता है बल्कि इसका बुरा परिणाम भी हमें निकट भविष्य में भुगतना पड़ सकता

है। भोजन की थाली में हाथ न धोकर उसे सिंक में रख देना चाहिए ताकि समय रहते वह साफ हो जाए। अधिक समय तक थाली को उसी अवस्था में भी नहीं रखना चाहिए।

देवी अन्नपूर्णा का अपमान है थाली में हाथ धोना

धर्म ग्रंथों के अनुसार, भोजन यानी अनाज की देवी अन्नपूर्णा है। इनकी ही कृपा से हमें भोजन की प्राप्ति होती है, इसलिए भोजन शुरू करने से पहले इनका ध्यान जरूर किया जाता है। जो व्यक्ति भोजन करने के बाद उसी थाली में हाथ धो लेता है, वो देवी अन्नपूर्णा का अपमान करता है। देवी अन्नपूर्णा और कोई नहीं बल्कि साक्षात महालक्ष्मी का ही रूप हैं। देवी अन्नपूर्णा का अपमान करने वाला व्यक्ति हमेशा गरीबी में जीवन व्यतीत करता है।

ग्रहों से भी मिलते हैं अशुभ फल

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जाने-अनजाने में हमसे अपने दैनिक जीवन में कई गलतियां हो जाती हैं। भोजन की थाली में हाथ धोना भी इनमें से एक है।

अधिकांश लोग इस तरह की गलती रोज करते हैं, इसलिए वे परेशान भी रहते हैं।

ज्योतिषियों के अनुसार, जो व्यक्ति भोजन की थाली में हाथ धोता है, ग्रह भी उसके विपरीत हो जाते हैं और अशुभ फल देने लगते हैं। इसका सबसे ज्यादा नकारात्मक असर व्यक्ति की सेहत पर पड़ता है। इसलिए भोजन की थाली में हाथ धोने से बचना चाहिए।

नहाने के बाद कभी न रखें बाथरूम में खाली बाल्टी

वरना जेब में नहीं बचेगी एक भी फूटी कोड़ी

यूनिक समय, मथुरा। वास्तु शास्त्र का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। इसका प्रभाव न केवल मन और मानव शरीर पर पड़ता है बल्कि घर में रखी हर एक चीज पर भी पड़ता है। दरअसल वास्तु में ऐसे नियम बताए गए हैं जिनको अपनाकर व्यक्ति अपना जीवन सुखी, सरल और संपन्न बना सकता है। लेकिन वास्तु का पालन न करने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आपको बता दें घर के कमरे से लेकर किचन व बाथरूम तक हर एक चीज का वास्तु का विशेष संबंध है। ऐसे ही बाथरूम में रखी बाल्टी भी यदि सही तरीके से न रखी गई हो तो यह दुख का कारण बन सकता है।

न रखें खाली बाल्टी

घर में कई बार हम नहाने या कपड़े धोने के बाद बाल्टी खाली करके बाथरूम में रख देते हैं जिसे वास्तु में अशुभ माना जाता है। वास्तु का कहना है कि अगर आप बाथरूम में बाल्टी खाली रखते है तो ऐसा करने से घर में पैसों की तंगी होने लगती हैं व व्यक्ति आर्थिक परेशानियों से भी जूझने लगता है इसलिए हमेशा नहाने व कपड़े धोने के बाद बाल्टी को साफ करके पानी से भरकर रखना चाहिए। इससे आपके जीवन में धन की कभी कमी नहीं होगी।

इस रंग की बाल्टी न रखें

वहीं दूसरी ओर वास्तु में यह मान्यता है कि बाथरूम में कभी भी काले रंग की बाल्टी नहीं रखनी चाहिए।

काली बाल्टी घर में कष्टों का कारण बन सकती हैं। वास्तु के मुताबिक नीला रंग शनि और राहु के अशुभ प्रभाव को कम करता है। इसलिए बाथरूम में नीले रंग की बाल्टी रखनी चाहिए। उनका कहना है कि नीले रंग की बाल्टी बाथरूम में रखना शुभ माना जाता है। इसके अलावा बाथरूम में नीले रंग की टाइल्स ही लगवानी चाहिए।

उपचुनाव में बना नया रिकॉर्ड

मिल्कीपुर में 65.25 फीसदी मतदान

यूनिक समय, लखनऊ। अयोध्या की मिल्कीपुर सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान हो रहा है। इस बीच सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक तस्वीर पोस्ट कर आरोप लगाया है कि मिल्कीपुर के उपचुनाव में पुलिस अधिकारी मतदाताओं का आईकार्ड चेक कर उन्हें डराने की कोशिश कर रहे हैं।

मिल्कीपुर उपचुनाव के लिए बुधवार को हो रहा मतदान एक नया रिकॉर्ड बनाने की ओर आगे बढ़ रहा है। दोपहर 5:00 बजे तक 65.25 फीसदी से ज्यादा वोट पड़े। यदि इतने ही समय की तुलना वर्ष 2022 में हुए विधानसभा चुनाव से की जाए तो तब 59 फीसदी वोट ही पड़े थे। इस तरह इस बार मतदान 65.25 प्रतिशत रहा है। वोटरों में खासा उल्लास है। युवा से लेकर महिलाएं और बुजुर्ग मतदाता सभी वोट डालने के लिए बूथों पर पहुंच रहे हैं। सुबह 7:00 बजे से शुरू हुई यह प्रक्रिया दोपहर 5:00 के बाद भी समाप्त हुई है।

विपक्ष हताश और निराश है : राजभर

मिल्कीपुर उपचुनाव 2025 पर उत्तर प्रदेश के मंत्री ओपी राजभर कहते हैं, "मिल्कीपुर उपचुनाव एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में है, विपक्ष हताश और निराश है। अगर रोने से उन्हें वोट मिल सकते हैं तो समाजवादी पार्टी के सदस्यों को लखनऊ और दिल्ली से रोना शुरू करना चाहिए।

सपा ने लगाया फर्जी मतदान का आरोप

समाजवादी पार्टी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि मिल्कीपुर विधानसभा में बूथ संख्या 4, 5, 69, 93, 100, 139, एवं 176 पर प्रशासन और भाजपा नेताओं द्वारा फर्जी मतदान कराया जा रहा है। सपा ने चुनाव आयोग से संज्ञान लेने की अपील की है। साथ ही निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित कराने की मांग की है।

मिल्कीपुर उपचुनाव को लेकर उत्तर प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष और समाजवादी पार्टी के नेता माता प्रसाद पांडेय का कहना है कि "भाजपा सरकार जानती है कि वह चुनाव हार चुकी है। चुनाव को अपने पक्ष में करने के लिए वह लोगों को वोट नहीं डालने दे रही है, उन्हें धमका रही है और कुछ पोलिंग बूथों से हमारे पोलिंग एजेंटों को भगा रही है, यह सब लोकतंत्र के खिलाफ है। बूथ नंबर 2 पर पोलिंग स्टाफ मुस्लिम महिलाओं का बुर्का उतारकर उनके पहचान पत्र से उनकी पहचान कर रहा है। इसके जरिए वह दबाव बना रहे हैं... पुलिस प्रशासन भाजपा कार्यकर्ताओं के रूप में काम कर रहा है और डीएम, एसडीएम, एसपी सभी सरकार की तरफ से किसी भी तरह से उस सीट को जीतने की कोशिश कर रहे हैं।

महाकुंभ में डुबकी लगाने के बाद पीएम मोदी बोले

मां गंगा का आशीर्वाद पाकर शांति और संतोष मिला

यूनिक समय, प्रयागराज। पीएम नरेंद्र मोदी बुधवार को प्रयागराज पहुंचे। इस दौरान उन्होंने महाकुंभ के मद्देनजर संगम में डुबकी लगाई। उन्होंने कहा कि मां गंगा का आशीर्वाद पाकर मन को असीम शांति मिली और संतोष मिला।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई और कहा कि ''मां गंगा का आशीर्वाद पाकर मेरे मन को असीम शांति और संतोष मिला।'' वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच संगम में स्नान करते समय प्रधानमंत्री को पूरी बांह का केसरिया रंग का कुर्ता और नीले रंग का पायजामा पहने देखा गया। उन्होंने रुद्राक्ष की माला से जाप भी किया। उनके गले में भी रुद्राक्ष की एक माला थी। उन्होंने दूध से गंगा का अभिषेक किया और माला फूल चढ़ाकर आरती की। इसके बाद पुरोहितों ने प्रधानमंत्री के माथे पर चंदन का तिलक लगाया और उन्हें गंगा जल का आचमन कराया। संगम में स्नान के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने पूरे विधि विधान से पूजन–अर्चन किया। काले कुर्ते और केसरिया पटके एवं हिमांचली टोपी पहने प्रधानमंत्री मोदी ने वैदिक मंत्रों और श्लोकों के बीच त्रिवेणी संगम में अक्षत, नैवेद्य, पुष्प, फल और लाल चुनरी अर्पित की। इसके बाद प्रधानमंत्री ने संगम स्थल पर तीनों नदियों की आरती की। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''प्रयागराज महाकुंभ में आज पवित्र संगम में स्नान के बाद पूजा–अर्चना का परम सौभाग्य मिला। मां गंगा का आशीर्वाद पाकर मन को असीम शांति और संतोष मिला है। उनसे समस्त देशवासियों की सुख–समृद्धि, आरोग्य और कल्याण की कामना की। हर–हर गंगे!'' प्रधानमंत्री ने अपने पोस्ट में संगम में डुबकी लगाते, सूर्यदेव को अर्घ्य देते, गंगा को प्रणाम करते और रुद्राक्ष की माला जपते हुए अपनी तस्वीरें भी साझा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''भारत की एकता के महायज्ञ महाकुंभ 2025, प्रयागराज में आज आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने पवित्र त्रिवेणी संगम में पावन स्नान कर मां गंगा, मां यमुना, मां सरस्वती का शुभाशीष प्राप्त किया। हर हर गंगे।'' उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी बयान के मुताबिक, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सुबह प्रयागराज हवाई अड्डे पहुंचे, जहां से वह 'एमआई 17' हेलिकॉप्टर में सवार होकर डीपीएस हेलिपैड उतरे। यहां पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत और अभिनंदन किया। यहां से प्रधानमंत्री अरैल घाट पहुंचे, जहां से विशेष नाव पर सवार होकर उन्होंने त्रिवेणी संगम का रुख किया।'' इसमें कहा गया कि नाव पर उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे जिन्होंने इस दौरान उन्हें महाकुंभ में की गई व्यवस्थाओं और श्रद्धालुओं को दी जा रही सुविधाओं के विषय में जानकारी दी। नाव से भ्रमण के दौरान प्रधानमंत्री ने त्रिवेणी संगम में मौजूद श्रद्धालुओं का भी अभिवादन स्वीकार किया। अधिकारियों ने बताया, ''प्रधानमंत्री के दौरे में इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। इसलिए कुछ क्षेत्रों में ही सुरक्षा प्रोटोकॉल को अनिवार्य किया गया और श्रद्धालु अन्य घाटों पर स्नान कर रहे हैं।''

महाकुंभ मेले में फिर लगी आग

धूं–धूं कर जल उठे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती शिविर के दो टेंट

यूनिक समय, प्रयागराज। प्रयागराज के महाकुंभ मेले में बुधवार को सेक्टर 12 में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के शिविर में आग लग गई। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया, लेकिन लाखों का सामान जलकर राख हो गया। संगम की रेती पर लगे महाकुंभ मेले में बुधवार को फिर आग लगने से हड़कंप मच गया। इस बार सेक्टर 12 में ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के शिविर में आग लगी। सुबह करीब सात बजे शिविर में दो जगहों पर आग लगने से हड़कंप मच गया। हालांकि, फायर ब्रिगेड की मुस्तैदी से आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन लाखों सामान जलकर राख हो गया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के मुताबिक शिविर के पश्चिमी हिस्से में लगी आग में दो टेंट जलकर राख हो गए। वहीं, पूर्वी हिस्से में साधु कुटिया से भी उसी वक्त धुआं उठने लगा। वहां मौजूद महिला श्रद्धालु को सुरक्षित बाहर निकाला गया। शिविर में दो जगहों पर आग लगने से लाखों का सामान जलकर राख हो गया। राहत की बात यह रही कि कोई जनहानि नहीं हुई।आग लगने की सूचना पर फायर ब्रिगेड की एक दर्जन से ज्यादा गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। फायर ब्रिगेड कर्मचारियों ने तुरंत आग पर काबू पाया। फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक साधु कुटिया में इलेक्ट्रिक केतली के इस्तेमाल से शॉर्ट सर्किट हुआ था। शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी थी। हालांकि शंकराचार्य शिविर से जुड़े लोगों ने इसके पीछे साजिश की आशंका जताई है। उनका कहना है कि एक साथ दो जगहों पर आग लगना महज संयोग नहीं हो सकता।

संत तुकाराम महाराज के 11वें वंशज शिरीष मोरे ने लगा ली फांसी

यूनिक समय, नई दिल्ली। पुणे जिले में शिव विद्वान के रूप में शिरीष महाराज की बड़ी प्रतिष्ठा थी। वह शिव शम्भो फाउंडेशन के अध्यक्ष भी थे। हाल ही में उनकी सगाई हुई थी और कुछ दिनों में शादी होने वाली थी लेकिन इससे पहले ही उन्होंने आत्महत्या जैसा कदम उठा लिया है।

महाराष्ट्र के पुणे के तीर्थनगरी देहू से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां संत तुकाराम महाराज के 11वें वंशज और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक शिरीष मोरे महाराज ने अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। 30 वर्षीय शिरीष महाराज ने आज सुबह अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या की है। इस चौंकाने वाली घटना से शहर में सनसनी फैल गई है। इस घटना की जानकारी मिलते ही देहू रोड पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शिरीष मोरे महाराज के शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि उन्होंने आत्महत्या क्यों की। बहरहाल, शिरीष महाराज की आत्महत्या के बाद तीर्थ गांव देहू पर दुखों

का पहाड़ टूट पड़ा है। नागरिक अपनी नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं।

बता दें कि पुणे जिले में शिव विद्वान के रूप में शिरीष महाराज की बड़ी प्रतिष्ठा थी। वह शिव शम्भो फाउंडेशन के अध्यक्ष भी थे। कुछ दिन पहले ही उनकी सगाई हुई थी। घर में खुशी का माहौल था। उनकी शादी कुछ ही दिनों में होने वाली थी लेकिन इससे पहले ही उन्होंने आत्महत्या जैसा कदम उठा लिया है।

पुलिस ने अनुमान लगाया है कि आत्महत्या के पीछे वित्तीय कठिनाइयां कारण हो सकती हैं। पुलिस के

कुछ दिन में होने वाली थी शादी

अनुमान के अनुसार, यह अनुमान लगाया जा रहा है कि आर्थिक तंगी के कारण उन्होंने आत्महत्या की होगी। आत्महत्या करने से पहले उसने एक नोट भी लिखा था। शिरीष महाराज का निधन उनके परिवार के लिए बहुत बड़ा सदमा है।

सोशल मीडिया के द्वारा होने वाले धार्मिक प्रवचनों और संघ के स्वयंसेव और हिंदुओं को मार्गदर्शन करने के दौरान शिरीष महाराज यह अपील भी करते थे कि "उन लोगों से खरीदारी करने से बचें जिनके माथे पर तिलक नहीं है। अब तक की अपनी जीवन यात्रा के दौरान," वह हिंदुओं पर हो रहे अन्याय और अत्याचार पर भी अक्सर टिप्पणी करते रहते थे। लव जिहाद, उद्योग जिहाद, भूमि जिहाद, खाद्य जिहाद और धर्मांतरण जैसे मुद्दों पर भी उनकी टिप्पणियां काफी लोकप्रिय रही हैं।

नोएडा के कई बड़े स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

यूनिक समय, नोएडा। नोएडा के कई नामचीन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरे ई–मेल मिलने से हड़कंप मच गया है। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच–पड़ताल शुरू कर दी है। दिल्ली से सटे यूपी के नोएडा में कई नामचीन स्कूलों को धमकी भरे ई–मेल मिले हैं। ई–मेल में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। उनमें हेरिटेज स्कूल और मयूर स्कूल का नाम शामिल है। स्कूल से बच्चों के पेरेंट्स को इमरजेंसी कॉल किया गया है और सभी बच्चों को घर भेजा जा रहा है। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई है और हालात संभालने में जुटी है। इससे पहले दिसंबर, 2024 को भी नोएडा के

थाना सेक्टर 126 क्षेत्र में लोटस वैली इंटरनेशनल स्कूल को देर रात 12 बजे एक ई–मेल आया था। इसमें स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। सुबह स्कूल पहुंची प्रधानाचार्य ने जब मेल चेक किया तो बम से उड़ाने की धमकी का ई–मेल पढ़ा। मेल पढ़कर वह घबरा गईं और स्कूल के स्टाफ को बुलाया

भागते–भागते पहुंचे बच्चों के पेरेंट्स

और मेल के बारे में बताया।

इसके बाद स्कूल प्रबंधन ने इसके बारे में पुलिस को फोन कर सूचना दी। इसके साथ ही स्कूल पहुंचे बच्चों को वापस घर भेज दिया गया। जो स्कूली वाहन बच्चों को लेकर स्कूल की ओर बढ़ रहे थे, उनके स्टाफ को इसके बारे में बताया गया और वापस बच्चों को घर छुड़वाया गया। इसके बाद स्कूल बंद कर दिया गया था। स्कूल में करीब 2 घंटे तक सर्च ऑपरेशन चला लेकिन इसमें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला था।

सार संक्षेप

वक्फ संशोधन विधेयक पर क्या बोले गुलाम नबी आजाद

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू में डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आज़ाद ने वक्फ संशोधन विधेयक पर कहा, वक्फ विधेयक उन लोगों की इच्छा के अनुसार होना चाहिए जिनका वक्फ है, न कि उनके खिलाफ।

असम के सीएम ने नवनिर्मित टर्मिनल का उद्घाटन किया

यूनिक समय, नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के नव पुनर्निर्मित टर्मिनल का उद्घाटन किया।

एमपी मे मेधावी विद्यार्थियों को 7900 स्कूटी वितरित

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शैक्षणिक सत्र 2023-24 में उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के स्कूल स्तर पर मेरिट सूची में शामिल सरकारी स्कूलों के 7,900 मेधावी विद्यार्थियों को निःशुल्क ई-स्कूटी वितरित की।

सपा के पूर्व विधायक सुल्तान वेग पर मामला दर्ज

यूनिक समय, नई दिल्ली। यूपी के बरेली में सपा के पूर्व विधायक सुल्तान वेग पर मामला दर्ज हुआ है। उन्होंने महाकुंभ को लेकर विवादित बयान दिया था। सुल्तान वेग ने कहा था योगी ने कुंभ को श्मशान बना दिया।

महाराष्ट्र में बिल्डर के बेटे का अपहरण

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में बदमाशों ने बिल्डर के 7 साल के बेटे का अपहरण कर लिया। घटना मंगलवार रात 9 बजे की है। बदमाशों ने बिल्डर से 2 करोड़ की फिरौती की मांग की है।

सिविल कोर्ट में गोली लगने से जज के गार्ड की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। कोलकाता सिटी सिविल कोर्ट के जज से गार्ड के माथे पर गोली लगी थी और वे कुर्सी पर बैठे थे। प्रथम दृष्टया मामला सुसाइड का लग रहा है। फिलहाल घटना से जुड़ी टीम मौके पर है।

कुंभ से लौट रही स्लीपर बस पलटी, 2 की मौत, 14 घायल

यूनिक समय, प्रयागराज। प्रयागराज महाकुंभ से राजस्थान के हनुमानगढ़ लौट रही स्लीपर बस जयपुर-आगरा हाईवे पर पलट गई। हादसे में 2 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 14 घायल हो गए। हादसा दौसा के बालाहेड़ इलाके में हुआ।

जलग्रहण परियोजना के डिप्टी डायरेक्टर के घर मिला नोटों का 'पहाड़'

ओडिशा में छापेमारी में 1.50 करोड़ नकद बरामद

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा विजिलेंस ने मलकानगिरी जिले में जलग्रहण परियोजना के डिप्टी डायरेक्टर एवं पीडी शंतनु महापात्र के घर पर छापा मारा। इस छापेमारी में अब तक 1.50 करोड़ नकद जब्त किए गए, जो ज्यादातर 500 के नोटों में थे। विजिलेंस को शक था कि शंतनु महापात्र के पास उनकी आय से अधिक संपत्ति है। इसी आधार पर विजिलेंस के विशेष न्यायाधीश, जयपुर से सर्च वारंट लेकर उनके ठिकानों पर छापेमारी की गई।

विजिलेंस टीम ने सात स्थानों पर छापेमारी की, जिनमें जयपुर में शंतनु महापात्र का तीन मंजिला घर, मलकानगिरी में सहायक कृषि अभियंता मोहन मंडल का घर, मलकानगिरी में डाटा एंट्री ऑपरेटर बिस्वजीत मंडल का घर, मलकानगिरी में अनुबंधित कर्मचारी अमियाकांत साहू का घर, मलकानगिरी में महापात्र का ऑफिस, कटक के बलिसाही, नुआपाड़ा में उनके पैतृक घर और भुवनेश्वर के भीमटांगी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में उनके रिश्तेदार का घर शामिल हैं।

इस बड़े ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए 2 एडिशनल एसपी, 4 डीएसपी, 10 इंस्पेक्टर, 6 एएसआई शामिल थे। विजिलेंस अधिकारियों ने छापे के दौरान दस्तावेजों की भी जांच की, जिससे और जानकारी सामने आ सकती है। विजिलेंस की टीम जब्त किए गए कैश और दस्तावेजों की गहराई से जांच कर रही है।

अधिकारियों ने बताया कि सतर्कता विभाग ने आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में वाटरशेड, मलकानगिरि के उप निदेशक शांतनु महापात्र के घर पर छापा मारा। विभाग ने बताया कि ओडिशा सतर्कता विभाग की यह कार्रवाई दो सहायक पुलिस अधीक्षक (एएसपी), चार पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी), दस निरीक्षक, छह सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) और अन्य सहयोगी स्टाफ की एक विशेष टीम द्वारा की जा रही है। यह तलाशी विशेष न्यायाधीश सतर्कता, जयपुर द्वारा जारी तलाशी वारंट के आधार पर की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि यह छापेमारी मलकानगिरि, कटक और भुवनेश्वर समेत कुल सात स्थानों पर जारी है। महापात्र से जुड़े लोगों के घरों की भी तलाशी ली जा रही है।

दिल्ली विधानसभा में 57.70% प्रतिशत मतदान हुआ

सबसे ज्यादा नार्थ-ईस्ट दिल्ली में 63.83% मतदान

आठ फरवरी को आएंगे परिणाम

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के लिए वोटिंग सम्पन्न हो गई है। शाम 5 बजे तक 57.70% वोटिंग हो चुकी है। सबसे ज्यादा 63.83% मतदान नार्थ-ईस्ट दिल्ली में हुआ। दिल्ली के सीलमपुर इलाके में पोलिंग बूथ पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि यहां बुर्के की आड़ में फर्जी वोटिंग हो रही है। यह भाजपा सांसद मनोज तिवारी का संसदीय क्षेत्र है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, एलजी वीके सक्सेना, विदेश मंत्री एस जयशंकर, मुख्यमंत्री आतिशी और राहुल गांधी वोट डाल चुके हैं। इसके अलावा प्रियंका गांधी ने मां सोनिया और पति- बेटे के साथ वोट डाला। अरविंद केजरीवाल अपने माता-पिता को व्हीलचेयर पर लेकर वोट डालने पहुंचे।

भाजपा ने आरोप लगाया है कि सीलमपुर में बुर्के में महिलाओं से फर्जी मतदान करवाया जा रहा है। इस दौरान आप और भाजपा समर्थक एक-दूसरे से भिड़ गए, जिससे हंगामा होने लगा। बूथ लेवल ऑफिसर ने माना कि किसी और के नाम पर दूसरे लोग वोट डाल गए। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने जांच में कहा कि नाम एक जैसे होने की वजह से कंफ्यूजन हुआ। इसके बाद यहां पुलिस जांच कर रही है। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि नॉर्थ एवेन्यू एन ब्लॉक में 2000-3000 रुपए बांटे गए और लोगों की उंगलियों पर स्याही लगाई गई। यह सब चुनाव आयोग की नाक के नीचे हो रहा है।

'फ्री फायर' खेलने के दौरान लड़के से हुई दोस्ती

रातों-रात घर से भाग गईं दो लड़कियां

यूनिक समय, नई दिल्ली। दोनों गुमशुदा लड़कियों के संबंध में सोशल मीडिया के माध्यम से भी प्रचार-प्रसार किया गया और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के जरिए पुलिस को पता चला कि दोनों हरियाणा के अंबाला में हैं, जिस पर पुलिस वहां के लिए रवाना हुई लेकिन इसी बीच लड़कियों की लोकेशन वहां से बाहर जाने की मिली।

ऑनलाइन गेम 'फ्री फायर' खेलने के दौरान बने मित्र से मिलने के लिए घर से भागीं दो नाबालिग लड़कियों को पुलिस ने पंजाब जिले के विकासनगर क्षेत्र से सकुशल बरामद कर उनके परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने बताया कि 13 और 17 वर्षीय दोनों लड़कियों को इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से पंजाब के राजपुरा में बस स्टैंड पर ढूंढ निकाला गया और वहां से यहां लाकर उनके परिजनों के सुपर्द कर दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, विकासनगर निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि उसके साथ ही रहने वाली उसकी 13 वर्षीय भतीजी और पड़ोस में रहने वाली उसकी 17 वर्षीय सहेली दो फरवरी को एक साथ बिना बताए कहीं चली गई हैं तथा काफी तलाश के बाद भी उनका पता नहीं लग रहा है। पुलिस ने बताया कि तहरीर के आधार पर तत्काल भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस टीम द्वारा गुमशुदा नाबालिगों के परिजनों, आस-पास रहने वाले लोगों व दोस्तों से पूछताछ की गई तथा आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाला गया।पुलिस ने बताया कि दोनों गुमशुदा

ओडिशा के राउरकेला में मालगाड़ी पटरी से उतरी

बस्ती में जा घुसी बोगी, बढ़ी लोगों की परेशानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओड़िशा के राउरकेला में मालगाड़ी पटरी से उतरकर लोगों की बस्ती में जा घुसी। इसकी वजह से ट्रैफिक भी प्रभावित हुआ है और वहां रहने वालों की भी परेशानी बढ़ गई है। ओड़िशा के राउरकेला के मालगोदम बस्ती इलाके में एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई, जिससे इलाके में बड़ी परेशानी खड़ी हो गई है। ट्रेन की तीन बोगियां ट्रैक से उतरकर पास की बस्ती में घुस गईं। इस हादसे के कारण मालगोदम रेलवे गेट और बसंती रोड के बीच का मुख्य रास्ता बंद हो गया है, जिससे वहां से गुजरने वाले लोगों को काफी दिक्कत हो रही है। रेलवे और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच चुकी हैं और गिरी हुई बोगियों को हटाने का काम तेजी से चल रहा है। राउरकेला एसपी के मुताबिक "प्राथमिक सूचना के अनुसार रेलवे के किसी तकनीकी संचालन के दौरान ये हादसा हुआ है। हादसे में अब तक किसी के आहत होने या किसी की जान जाने की सूचना नहीं मिली है। हम फिर भी राहत बचाव कार्य चला रहे हैं और स्थिति स्वाभाविक करने की कोशिश कर रहे हैं। जाना जा रहा है कि इस रेल मार्ग पर जल्द ही रेल यातायात सुचारू रूप से चलने लगेगा।

रेलवे ने यह जानने के लिए जांच शुरू कर दी है कि यह हादसा कैसे हुआ। राहत की बात यह है कि अब तक किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

दक्षिण पूर्वी रेलवे के सीपीआरओ ने बताया कि राउरकेला रेलवे यार्ड से जब खाली कंटेनर रेक को प्लेस किया जा रहा था तब बफर जोन और डेड एंड को तोड़ते हुए बोगियां पीछे बस्ती में घुस गईं। बोगियां खाली थीं। बोगियां दीवार तोड़ लगभग 10 मीटर आगे जा कर बस्ती में घुस गईं हैं। किसी के भी आहत होने की खबर नहीं है। लोगों से कहा गया है कि जब तक रास्ता पूरी तरह साफ नहीं हो जाता, वे दूसरा रास्ता अपनाएं और प्रशासन की बात मानें।

अमेरिका से डिपोर्ट भारतीयों में सबसे ज्यादा पंजाब के लोग

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका से डिपोर्ट किए गए भारतीय नागरिकों का विशेष सैन्य विमान सी-17 आज दोपहर श्री गुरु रामदास जी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा अमृतसर पर उतरा। इन लोगों को अमेरिका में अवैध रूप से प्रवेश करने, वीजा नियमों के उल्लंघन और जाली दस्तावेजों के इस्तेमाल के कारण वापस भेजा गया है। भारत लौटने वालों में पंजाब, हरियाणा, गुजरात, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, गोवा और यूपी के लोग शामिल हैं। इसमें सबसे ज्यादा पंजाब के लोग लौटे हैं। इनकी संख्या 80 से अधिक है।

मिली जानकारी के मुताबिक, अमेरिका से लौटने वालों की संख्या में सबसे ज्यादा पंजाब के लोग हैं। इसके बाद हरियाणा और फिर गुजरात है। बता दें कि पंजाब के 80, हरियाणा के 47 और गुजरात के 35 लोगों के अलावा चंडीगढ़ के पांच, यूपी के दो और अन्य राज्यों के लोग लौटे हैं।

अमेरिका से डिपोर्ट होकर आने वाले भारतीयों में से कुछ के खिलाफ भारत के विभिन्न शहरों में आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। ऐसे में भारतीय सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं। एयरपोर्ट पर विशेष दस्ते तैनात किए गए हैं, जो हर व्यक्ति की पहचान और दस्तावेजों की जांच करेंगे। इमिग्रेशन विभाग और स्थानीय पुलिस के साथ-साथ इंटेलिजेंस एजेंसियां भी सतर्क हैं ताकि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति को नजरअंदाज न किया जाए। सूत्रों के अनुसार, पहले भी कई मामलों में ऐसे लोगों को डिपोर्ट किया गया है जिनका संबंध अपराध, जाली दस्तावेजों पर यात्रा या मानव तस्करी से जुड़ा रहा है।

अमेरिका से डिपोर्ट किए गए कुछ लोगों के खिलाफ भारत के विभिन्न शहरों में गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें धोखाधड़ी, अवैध प्रवासन, जाली दस्तावेजों का उपयोग, मानव तस्करी और अन्य गंभीर अपराधों से जुड़े मामले शामिल हैं। ऐसे व्यक्तियों की पहचान के लिए एयरपोर्ट पर विशेष सुरक्षा एजेंसियां तैनात की गई हैं, जो उनकी पूरी पृष्ठभूमि और कानूनी रिकॉर्ड की जांच करेंगी। जरूरत पड़ने पर अपराधियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी एजेंसियों को अमेरिका में रह रहे अवैध प्रवासियों के खिलाफ एक्शन पर लगा दिया है। इसी क्रम में अमेरिका ने मिलिट्री प्लेन उ-17 में अवैध भारतीय प्रवासियों को भारत भेज दिया है। इससे पहले अमेरिका ने अवैध प्रवासियों को मिलिट्री प्लेन में भरकर पेरू, होंडुरास और ग्वाटेमाला भेजा था। राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त रवैया अपनाया है। अमेरिका द्वारा भेजे गए भारतीय अमृतसर स्थित श्री गुरु रामदास जी

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। फोन नंबर-0565-2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053